चैत्र शुक्ल पक्ष द्वादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 282 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

09 अप्रैल 2025 बुधवार

आज का मौसम

37 अधिकतम

24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

किया के 900 इंजन चोरी, कोरियाई कंपनी की एफआईआर

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश के श्रीसत्यसाई जिले में पिछले 5 वर्षों में ऑटोमोबाइल कंपनी किआ के करीब 900 कार इंजन कथित तौर पर चोरी का मामला सामने आया है। एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में दक्षिण कोरियाई ऑटोमोबाइल कंपनी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। जिले के पेनुकोंडा में किआ कंपनी का कार मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी स्थित है। पुलिस का मानना है कि इंजन चोरी की शुरुआत करीब 5 साल पहले हुई थी और कंपनी ने अब औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। प्रारंभिक जांच में 900 इंजन चोरी होने की पुष्टि हुई है। ये इंजन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट तक ले जाने के दौरान रास्ते और परिसर के अंदर से चुराए गए थे। पुलिस को संदेह है कि इतने बड़े पैमाने पर हुई इस चोरी के पीछे कंपनी में काम करने वाले कुछ कर्मचारी हो सकते हैं।

रामरहीम 13वीं बार जेल से बाहर आया

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा में रोहतक की सुनारिया जेल में रेप और हत्या के मामले में 20 साल की सजा काट रहा डेरा मुखी गुरमीत राम रहीम एक बार फिर जेल से बाहर आया है। उसे 21 दिन की फरलो मिली है। इस दौरान राम रहीम पूरे 21 दिन सिरसा डेरे में ही रहेगा। आज सुबह करीब सा? 6 बजे उसे क?ी सुरक्षा के बीच जेल से सिरसा के लिए रवाना हुआ। इससे पहले वह 28 जनवरी को ही 30 दिन की पैरोल पर जेल से बाहर आया था। तब उसने पैरोल के 10 दिन सिरसा डेरा और 20 दिन यूपी के बरनावा में काटे थे।

इस बार भी देशभर पर मेहरबान होगा मानसून

नई दिल्ली। इस बार मानसून के लिये मौसम एजेंसी स्काईमेट ने अनुमान जताया है कि देशभर में मानसून सामान्य रहेगा। एजेंसी के मुताबिक, 80 प्रतिशत से ज्यादा संभावना है कि मानसून सामान्य या उससे अधिक ही मेहरबान होगा। इधर, देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में अप्रैल के पहले हफ्ते से ही लू का असर तेज होता जा रहा है। राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा और पंजाब के कई हिस्से हीटवेव की चपेट में हैं। मध्य प्रदेश के 30 जिलों में आज हीटवेव का अलर्ट है। हालांकि भोपाल में सुबह बादलों का डेरा रहा जिससे तापमान पर थोडा अंकुश महसूस हुआ।

बड़ी राहत : रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 6 फीसदी किया गया

टैरिफ टेरर के बीच रिजर्व बैंक का रेट कट बैंक घटाएंगे ब्याज, कम होगी ईएमआई

नईदिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के टैरिफ टेरर के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने रेट कट का तोहफा दिया है। बैंक ने रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 6 फीसदी कर दिया है। पहले ये 6.25 फीसदी थी। इसका असर यह होगा कि आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते हैं। लोगों की ईएमआई भी घटेगी। इसका इंतजार लंबे समय से हो रहा था। नए वित्त वर्ष में बैंक की पहली मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग के फैसलों की जानकारी सुबह आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने दी। इससे पहले वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी मीटिंग में ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की गई थी। पिछली कटौती करीब 5 साल बाद हुई थी।

रेपो रेट के घटने से अब क्या बदलाव?

रेपो रेट घटने के बाद बैंक भी हाउसिंग और ऑटो जैसे लोन्स पर अपनी ब्याज दरें कम कर सकते हैं। वहीं ब्याज दरें कम होंगी तो हाउसिंग डिमांड बढ़ेगी। ज्यादा लोग रियल एस्टेट में निवेश कर सकेंगे। रिजर्व बैंक जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों के लोन सस्ता मिलता है, तो वो अकसर इसका फायदा ग्राहकों को पास कर देते हैं। यानी, बैंक ब्याज दरें घटा देते हैं। नए वित्त वर्ष में जीडीपी ग्रोथ 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है,जबकि महंगाई दर 4 फीसदी रहने का अनुमान है।

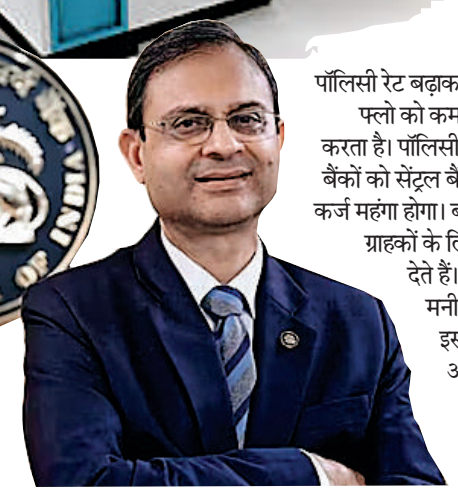

रेपो रेट इसलिए बढ़ता और घटता है

दरअसल, किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। इससे डिमांड में कमी आती है और महंगाई घट जाती है। जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है।

रिजर्व बैंक की 5 अहम बात

- आरबीआई एमपीसी ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 6 फीसदी करने के पक्ष में वोट किया।
- आरबीआई एमपीसी ने अपना रुख न्यूट्रल से बदलकर अकोमोडेटिव करने का फैसला किया।
- ट्रेड फ्रिक्शन के कारण वैश्विक ग्लोबल ग्रोथ पर असर पड़ने से डोमेस्टिक ग्रोथ भी बाधित होगी।
- हायर टैरिफ का नेट एक्सपोर्ट पर निगेटिव प्रभाव पड़ेगा। मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटी में सुधार के संकेत दिख रहे हैं।
- क्रूड की कीमतों में गिरावट से महंगाई को कंट्रोल में रखने में मदद मिलेगी।

अब लूटने की बारी हमारी: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका ने चीन पर 104त्न टैरिफ आज लागू कर दिया है। इसका मतलब है कि अब से अमेरिका पहुंचने वाले चीनी सामान दोगुने दाम से भी ज्यादा कीमत पर बिकेंगे। ट्रम्प ने कहा है इस टैरिफ की जो कोई भी आलोचना कर रहा है, वह बदमाश और धोखेबाज है। इन लोगों ने तब नहीं सोचा था जब अमेरिका ने 90 हजार कारखाने खो दिए थे। हम अब टैरिफ से बहुत सारा पैसा कमा रहे हैं। अमेरिका को हर दिन 2 बिलियन डॉलर (17.2 हजार करोड़ रुपए) ज्यादा मिल रहा है। कई देशों ने हमें हर तरह से लूटा है, अब लूटने की बारी हमारी है।

मास्टरमाइंड राणा को लेकर पहुंच रही एनआईए और रॉ

मुंबई हमलों की होगी नए सिरे से पूछताछ

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल दहलाने वाले मुंबई आतंकी हमलों का दोषी तहव्वुर राणा आज भारत लाया जा रहा है। जांच एजेंसी एनआईए और खुफिया एजेंसी रॉ की एक टीम तहव्वुर के प्रत्यर्पण के लिए अमेरिका में मौजूद है। प्रत्यर्पण की सभी कागजी कार्रवाई पूरी कर ली गई है। राणा के प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की याचिका अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को ही खारिज कर दी थी। तहव्वुर ने याचिका में खुद को पार्किंसन बीमारी से पीड़ित बताते हुए कहा था कि अगर भारत डिपोर्ट किया गया तो उसे प्रताड़ित किया जा सकता है। राणा को 2009 में एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। राणा को अमेरिका में लश्कर-ए-तैयबा का समर्थन करने के लिए दोषी ठहराया गया था। फिलहाल वह लॉस एंजिल्स के एक हिरासत केंद्र में बंद है। 64 साल का राणा पाकिस्तानी सेना में डाक्टर रह चुका है। उसे मुंबई व दिल्ली की जेलों में रखने की तैयारी की गई है। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने हमले किए। ये हमले चार दिनों तक चले। इन हमलों में कुल 175 लोग मारे गए, जिनमें 9 हमलावर भी शामिल थे, और 300 से अधिक लोग घायल हुए। अमेरिकी सरकार के मुताबिक 'हेडली ने बताया है कि राणा ने एक शख्स को आदेश दिया कि वो हेडली के लिए मुंबई में फर्स्ट वर्ल्ड ऑफिस खोलने से जुड़ी फर्जी कहानी को सच दिखाने वाले डॉक्यूमेंट्स बनाए। राणा ने ही हेडली को सलाह दी कि भारत विजिट करने के लिए वीजा कैसे हासिल करना है। ये सारी बातें ईमेल और अन्य दस्तावेजों से प्रमाणित हुई हैं।

कांग्रेस अधिवेशन: खरगे ने ईवीएम और भाजपा की टैक्निक पर उठाए सवाल

अहमदाबाद, एजेंसी

कांग्रेस के अधिवेशन में आज पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ईवीएम व भाजपा पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने विस चुनाव परिणामों समेत कई मुद्दों पर भाजपा को घेरा। अधिवेशन का आज आखिरी दिन है। कल वर्किंग कमेटी की बैठक चार घंटे चली थी, आज साबरमती रिवरफ्रंट पर मुख्य अधिवेशन हो रहा है, जिसमें देशभर से 1700 से अधिक कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि शामिल हैं। अधिवेशन में सोनिया गांधी और राहुल मौजूद हैं, लेकिन प्रियंका गांधी विदेश में हैं। खरगे ने ईवीएम पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने ऐसी तकनीक बनाई है, जिससे उन्हें फायदा हो और विपक्ष को नुकसान। जबकि चुनाव बैलेट पेपर से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव भी धोखे से जीता। महाराष्ट्र में 150 सीटों पर लड़कर 138 पर भाजपा ने जीत हासिल की ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया। खड़गे ने कहा- सब कुछ पता लगा लिया जाएगा, क्योंकि चोर चोरी करता है और आज नहीं तो कल पकड़ा जाएगा। उन्होंने कहा- नरेंद्र मोदी एक-एक करके सार्वजनिक क्षेत्र को बेचकर अपने दोस्तों को दे रहे हैं। वे सिर्फ कांग्रेस को गालियां देते हैं, इसके अलावा कोई बात नहीं करते। सत्ताधारी दल बार-बार ये बताता है कि भारत का विकास सिर्फ 2014 का बाद हुआ है. पर गुजरात में भी सभी सरकारी संस्थाएं कांग्रेस की देन हैं. चंडीगढ़ के बाद प्लान सिटी गांधीनगर कांग्रेस के राज में बना. उल्लेखनीय है कि आज के कार्यक्रम के लिए रिवरफ्रंट पर डोम बनाया गया है। इस अधिवेशन की थीम है, 'न्यायपथ-संकल्प, समर्पण, और संघर्ष।' पार्टी के मुताबिक यह अधिवेशन गुजरात में संगठन को मजबूत करने और 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए रोडमैप तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

वक्फ कानून: कश्मीर विस में हाथापाई की नौबत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक बार फिर वक्फ कानून पर आज जोरदार हंगामा देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी के विधायकों के बीच जमकर बवाल हुआ और विवाद इतना आगे बढ़ गया कि बात हाथापाई तक आ पहुंची। दोनों तरफ के नेता एक-दूसरे के खिलाफ लामबंद नजर आए। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों ने नारे लगाए व सदन के बीचों-बीच आ गए और उन्होंने वक्फ कानून पर चर्चा की मांग की, भाजपा ने इसका विरोध किया।

मेट्रो एंकर

आदर्श माना जाने वाला जोड़ा लंबे समय से रह रहा अलग, दोनों के 4 बच्चे

मैरिकॉम का अफेयर..! महत्वाकांक्षाओं ने बिगाड़ा रिश्ता

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय की महान मुक्केबाज कही जाने वाली एमसी मैरी कॉम की निजी जिंदगी अब सुर्खियों में आ रही है। वह और उनके पति ओनलर के बीच 20 साल का रिश्ता खत्म होने की खबरें सुर्ख है। उनके बीच कुछ व्यक्तिगत और राजनीतिक तनाव इसकी वजह माने जा रहे हैं। वहीं 42 साल की इस बॉक्सिंग क्वीन के अफेयर की भी खबर है। ऐसा माना जा रहा है कि 2022 में ओनलर के मणिपुर विधानसभा चुनाव में हारने के बाद से उनके रिश्ते में दूरियां आनी शुरू हो गईं थीं। वित्तीय बोझ और मैरी कॉम की राजनीतिक गतिविधियों में बढ़ती भागीदारी भी अलगाव के कारण बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि मैरीकॉम किसी और बॉक्सर के पति के साथ अफेयर में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मैरी कॉम और उनके पति करुंग ओनलर, जिन्हें ओनलर के नाम से जाना जाता है, कुछ समय से अलग रह रहे हैं। सूत्रों की मानें तो ओनलर के 2022 के मणिपुर विधानसभा चुनावों में हारने के बाद से उनके बीच दूरियां बढ़ने लगीं। चुनाव में हार के बाद उनके रिश्ते में भावनात्मक और आर्थिक तनाव आने लगा। अलगाव के बाद मैरीकॉम अपने चार बच्चों के साथ फरीदाबाद चली गईं। ओनलर दिल्ली में अपने परिवार के कुछ सदस्यों के साथ हैं। माना जा रहा है कि राजनीतिक अभियान का वित्तीय बोझ मतभेद का एक बड़ा कारण बना। ओनलर को लगभग 2-3 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिससे मैरीकॉम नाराज हो गईं। मगर ऐसी भी अफवाहें हैं कि मैरीकॉम का किसी और के साथ अफेयर चल रहा है। कुछ अपुष्ट खबरों में तो यह भी दावा किया जा रहा है कि उनका नाम किसी अन्य मुक्केबाज के पति के साथ जोड़ा जा रहा है। वहीं अब मैरीकॉम की राजनीति में बढ़ती भागीदारी, खासकर भाजपा के साथ उनका जुड़ाव भी सवालों के घेरे में है। कुछ लोगों का मानना है कि उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और गतिविधियों ने उनके और उनके पति के बीच दूरियां बढ़ाने में योगदान दिया है।

पति के सहयोग से संवरा कैरियर

भारतीय इतिहास की सबसे महान बॉक्सर मैरीकाम 6 बार विश्व चैंपियन हैं। उन्हें पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री जैसे कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। जबकि ओनलर एक फुटबॉल खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने मैरी कॉम को उनके करियर में हमेशा सहयोग दिया। दोनों की शादी 05 में हुई थी। उनके चार बच्चे हैं। यह खबर कई लोगों के लिए चौंका रही है क्योंकि मैरी कॉम और ओनलर को एक आदर्श जोड़ी माना जाता था। उनके अलग होने से उनके प्रशंसकों को दुख हुआ है। हालांकि, अभी तक दोनों में से किसी ने भी इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

4 बच्चों के बाप पर 5 बच्चों की मां का दिल आया, दोनों फरार

सिध्दार्थनगर। उप्र के सिद्धार्थनगर में पांच बच्चों की मां उसी गांव के रहने वाले चार बच्चों के बाप के साथ भाग गई। इतना ही नहीं उसने फेसबुक पर अपने प्रेमी के साथ शादी करते हुए एक फोटो भी पोस्ट कर दी। जिसके बाद दोनों के परिवार के लोगों को मामले की जानकारी हुई। यह पूरा मामला 5 अप्रैल का है जब सिद्धार्थनगर थाना क्षेत्र के महरिया गांव की रहने वाली गीता नामक महिला अपने पांच बच्चों व पति को छो?कर घर की नगदी व जेवरात लेकर गायब हो गई। पति ने सोचा कि मायके गई होगी, तीन दिन बाद उसे ग्रामीणों ने बताया कि तुम्हारी पत्नी की एक शादी करने जैसी फोटो गांव के गोपाल नामक युवक के साथ फेसबुक पर पोस्ट की गई है। महिला के पांच बच्चों में बड़ी बेटी की उम्र लगभग 19 साल है।

गर्मी सिर पर, सड़क पर ठंडक का सामान

भोपाल। राजधानी में अप्रैल का महीना तपिश लेकर आया है। पारा 40 के पार जा रहा है हालांकि मंगलवार को थोड़ी सी राहत रही, क्योंकि आसमान पर बादलों का डेरा रहा। बाद में तीखी धूप रही। सडकों पर गर्मी से बचने के लिये गन्ने के रस की चरखी भी लगी हैं और कूलर पंखों का बाजार भी सजा हुआ है। चित्र में धूप से बचने के लिए छाता लगाए लोग और पीछे सजा कूलर का बाजार।

8 साल बाद अधिकारी-कर्मचाारियों की बाधित पदोन्नति का रास्ता साफ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- जल्द शुरू करेंगे पदोन्नति

मई 2016 से बंद है, एक लाख कर्मचारी हो चुके सेवानिवृत्त

प्रदेश के सरकारी अधिकारी, कर्मचारियों को मोहन सरकार पदोन्नति देगी। 8 साल से यह बंद है, जिसकी प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। 4 लाख से अधिक को लाभ मिलेगा। अधिकारी, कर्मचारियों का मान-सम्मान तो बढ़ेगा ही, साथ में हर महीने मिलने वाली वेतन में भी मामूली बढ़त हो जाएगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार इसकी घोषणा की है।

सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वरिष्ठ स्तर पर पदोन्नति दिए जाने संबंधी फार्मूले तय कर लिए हैं, कुछ मामलों में बात अटकी है, जो इसी महीने पूरी हो जाएगी। सेवा वर्ष के आधार पर पदोन्नतियां मिलेंगी। अधिकारी, कर्मचारियों को दी जाने वाली पदोन्नति में मई 2016 से पेंच फंसा है। हाईकोर्ट ने वर्ष 2002 के पदोन्नति नियम निरस्त कर दिए थे। इससे कर्मचारियों के प्रमोशन रुक गए। उनमें नाराजगी भी बढ़ी। तत्कालीन शिवराज सिंह चौहान के समय से ही पदोन्नति की राह खोजी जा रही है। लेकिन पदोन्नति विवाद नहीं सुलझा। आखिरकार पदोन्नति

खटाई में पड़ गई। जिसकी वजह से बीते 8 वर्षों में करीब एक लाख अधिकारी, कर्मचारी बिना पदोन्नति के सेवानिवृत्त हो गए। इस बीच जब पदोन्नति में आरक्षण को लेकर विवाद शुरू हुआ, तब भाजपा की तत्कालीन शिवराज सिंह चौहान की सरकार थी। लंबी खींचतान के बावजूद कोई रास्ता नहीं निकला। वर्ष 2018 में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार बनी, तब भी उम्मीद जगी थी जो पूरी नहीं हुई। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य के अधिकारी, कर्मचारी 8 वर्षों से पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं, कुछ तो पदोन्नति की प्रतीक्षा करते हुए सेवानिवृत भी हो गए। मंत्रियों व अधिकारियों से चर्चा कर 8 वर्ष से चली आ रही इस रुकावट को समाप्त करने का निर्णय लिया है। जल्द ही नए नियम कैबिनेट बैठक में लेकर आएंगे।

उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्याकंन में लापरवाही

दो प्राध्यापक निलंबित व तीन कर्मियों की सेवाएं की समाप्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग ने नर्मदापुरम जिले के पिपरिया स्थित शहीद भगत सिंह शासकीय पी.जी. महाविद्यालय में, विश्वविद्यालयीन उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्याकंन में पायी गई गंभीर लापरवाही, अव्यवस्था एवं अनियमितता के लिए जांच समिति गठित कर उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए थे। उच्च शिक्षा विभाग ने जांच समिति के सदस्यों द्वारा प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आधार पर दो प्राध्यापकों को निलंबित एवं जनभागीदारी मद के तीन कर्मियों की सेवाएं समाप्त कर दीं हैं। विभाग ने विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्याकंन में गंभीर लापरवाही एवं अव्यवस्था में दोषी पाए गये, महाविद्यालय में जनभागीदारी मद से कार्य कर रहे अतिथि विद्वान, कुशल एवं अकुशल श्रमिक सहित कुल तीन कर्मियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं, इनमें खुशबू पगारे (अतिथि विद्वान जनभागीदारी मद), पन्नालाल पठारिया (प्रयोगशाला परिचारक जनभागीदारी) एवं राकेश कुमार मेहर, बुक लिफ्टर (स्थाईकर्मी जनभागीदारी) शामिल हैं, जिन्हें सेवाओं से तत्काल प्रभाव से सेवामुक्त कर दिया गया है। उच्च शिक्षा विभाग ने जांच समिति द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर डॉ राकेश कुमार वर्मा, प्राध्यापक, वाणिज्य एवं प्रभारी प्राचार्य और डॉ रामगुलाम पटेल प्राध्यापक, राजनीति शास्त्र शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिपरिया को सिविल सेवा आचरण नियमों के उल्लंघन के लिए निलंबित किया है।

निजी स्कूलों के लिए निरीक्षण दलों का गठन पुस्तकों-यूनिफार्म की बाध्यता पर होगी जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल जिले में अशासकीय स्कूल प्रबंधन एवं प्राचार्यो द्वारा अभिभावक को दुकान विशेष/निर्धारित स्थान से पाठ्य पुस्तकों एवं अन्य शैक्षिक सामग्री अथवा यूनीफार्म क्रय करने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से बाध्य किये जाने के मामलों में संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने जाच टीम गठित की है। जारी आदेश अनुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एम.पी. नगर लक्ष्मीकान्त खरे,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व टी.टी. नगर अर्चना शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोलार रोड रविशंकर राय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शहर वृत्त दीपक पाण्डेय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैरागढ़ वृत्त आदित्य जैन, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोविन्दपुरा रवीश श्रीवास्तव, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हुजूर विनोद सोनकिया, अनुविभागीय अधिकारी बैरसिया हुजूर आशुतोष शर्मा निरीक्षण दल के प्रभारी रहेंगे। आदेश के अनुसार, यह दल विभिन्न क्षेत्रों में स्कूलों का औचक निरीक्षण करेगा। निरीक्षण दल अनुविभागीय अधिकारी के निर्देशन में कार्य करेगा एवं प्रतिदिन की कार्यवाही से प्रशासन को अवगत करायेगे। यह दल आकस्मिक रूप से स्थल निरीक्षण करने के साथ मान्यता अधिनियम 2017 एवं नियम 2020 के अनुसार संबंधित विद्यालय के विरूद्ध आवश्यक शारित अधिरोपित किये जाने हेतु एवं मप्र निजि विद्यालय फीस अधिनियम 2020 के अंतर्गत वर्ष 2023-2024, 2024-2025 एवं 2025-2026 फीस की जानकारी प्राप्त करेगी एवं पुस्तकों के आईएसबीएन नम्बरों की पुष्टि कर कार्यवाही का प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

बच्चे की जिम्मेदारी स्कूल व पेरेंट्स की: चेलानी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

दीपमाला पागारानी संस्कार विद्यालय में प्रबंधन ने अभिभावकों के लिए मार्गदर्शन सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के सचिव बसंत चेलानी ने अभिभावकों को भरोसा दिलाया, स्कूल आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। चेलानी ने कहा कि अभिभावकों ने जो विश्वास विद्यालय पर किया है, विद्यालय उस पर खरा उतरेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों की जिम्मेदारी केवल स्कूल की नहीं, बल्कि अभिभावकों की भी समान रूप से होती है। उन्होंने बच्चों की संगति पर ध्यान देने और उन्हें मोबाइल से दूर रखने के महत्व पर भी जोर दिया। प्रधानाध्यापिका मृदुला गौतम ने अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देने के तरीके बताए। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से पढ़ाई करने की आदत डालने, उनके साथ समय बिताने और उनके मित्र बनने की सलाह दी। अंत में, उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षकों और अभिभावकों दोनों के सहयोग को आवश्यक बताया। मार्गदर्शन सभा में कोर्डिनेटर सीमा शर्मा और शिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

कायस्थम ने सेवानिवृत आईएएस श्रीवास्तव को सम्मानित किया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कायस्थम संस्था ने सेवानिवृत आईएएस आलोक श्रीवास्तव को भारत भवन में स्मृति चिन्ह, श्रीफल, अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया श्रीवास्तव के जल रंग चित्रों की भारत भवन में प्रदर्शनी आयोजित की गई है। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य सचिव अनुराग जैन ने किया था इस अवसर पर राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त की मनोज श्रीवास्तव, भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी जेएन कंसोटिया ,सेवानिवृत आईएएस अनिल श्रीवास्तव, विजया श्रीवास्तव सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी, पीएच ई के सेवानिवृत्त सीएफ इंजीनियर एमके श्रीवास्तव , मुकेश खरे, कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव, उपाध्यक्षद्वय आरपी श्रीवास्तव एवं सुरेश श्रीवास्तव, महासचिव अभय श्रीवास्तव, सचिव डॉ.रश्मि सक्सेना, कोषाध्यक्ष मुकुल अस्थाना सहित कार्यकारिणी सदस्य आदि उपस्थित थे।

हनुमान जयंती के लिए जुटी बजरंग सेना समिति

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

बजरंग सेना समिति 11 अप्रैल, शाम 7 बजे सिंधु समाज स्कूल, संतनगर में हनुमान जयंती पर भजन संध्या का आयोजन करेगी। घनश्याम एंड पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। समिति पदाधिकारियों ने मंगलवार को सिंधु समाज स्कूल में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया और कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रमुख रूप से बजरंग सेना समिति के मुख्य सलाहकार रूप कुमार सोनी, सलाहकार प्रभु मूलचंदानी, अध्यक्ष कमलेश देवानी, उपाध्यक्ष राज बिजोरिया, जीतू शिवनानी, महासचिव गुरदास रामचंदानी, सचिव राजकुमार धानुक, विष्णु नाथानी, बृजकिशोर सेन, रमेश कुमार तोलानी आदि उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

आरोग्य केन्द्र में दस दिवसीय शिविर का समापन

स्वस्थ रहने के मंत्र: उपवास, पेट की सफाई और भरपूर नींद

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में हर माह आयोजित होने वाला 10 दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ, जिसमें मध्यप्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, झारखंड, दिल्ली, छत्तीसगढ़, हरियाणा और पश्चिम अफ्रीका सहित विभिन्न स्थानों से 73 साधकों ने भाग लिया। समापन सत्र में, डॉ. रमेश टेवानी ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा शरीर को स्वस्थ रखती है, ध्यान, प्राणायाम और योग मन को स्वस्थ रखते हैं, और समाज सेवा जीवन को सार्थक करती है। शिविर का उद्देश्य भारत को दवा और दर्द से मुक्त करना है। डॉ. टेवानी ने आजीवन स्वस्थ रहने के लिए उपवास, पेट की सफाई और पर्याप्त नींद के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों से अपेक्षा कि वे शिविर में हासिल अपने ज्ञान को दूसरों के साथ साझा करें और जीवन में आनंद से भरें।

साधकों के अनुभव: अयोध्या से आए विष्णु प्रसाद और बैतूल से आए विष्णुकांत ने जीवनशैली के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ से आए शिव सागर पटेल और गाडरवारा से आए अरविंद कुमार शर्मा को घुटनों के दर्द से राहत मिली। जमशेदपुर से आए रमेश को मांसपेशियों के दर्द में आराम मिला। लंदन से आए कुणाल और लखनऊ से आए राजमणि पांडे ने अपना वजन कम किया। चंडीगढ़ से आए सुजीत कुमार ने जीवनशैली के बारे में सीखा। ग्रेटर नोएडा से आई रचना रस्तोगी को थायराइड और मधुमेह में आराम मिला। छत्तीसगढ़ से आई हीरावती को पैर दर्द में और अमरावती से आई मोहिनी मेहता को घुटनों के दर्द में आराम मिला।

इन बीमारियों का हुआ इलाज

शिविर में डिप्रेशन, डायबिटीज, हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियोआर्थराइटिस, हाइपरटेंशन, मोटापा, गैस्ट्राइटिस, अनिद्रा, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका और फ्रोजन शोल्डर जैसी विभिन्न बीमारियों का उपचार किया गया। शिविर में दिनचर्या में सुबह जागरण और नित्यकर्म, नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएं, व्याख्यान सत्र, प्राकृतिक चिकित्सा, प्राकृतिक आहार, ध्यानात्मक क्रियाएं और आनंद मेला शामिल थे।

अगला शिविर कब: शिविर का समापन डॉ. लता टेवानी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। आगामी शिविर 11 से 20 अप्रैल, 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

फीचर इम्पैक्ट

देश में प्रथम मप्र : खनिज ब्लॉकों की नीलामी से मिला 10 हजार करोड़ से अधिक राजस्व

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नवाचारों से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार माइनिंग में नवाचार कर रही है। प्रदेश में सबसे पहले क्रिटिकल मिनरल के 2 ब्लॉक्स को नीलामी में रखा गया है। सबसे अधिक खनिज ब्लॉक्स की नीलामी कर मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर आ गया है। प्रदेश की समृद्ध खनिज सम्पदा और नई खनन नीतियों से राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। खनिज संसाधनों के उपयोग से न केवल राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। प्रदेश में कोयला, चूना पत्थर, डोलोमाइट और बॉक्साइट जैसे खनिजों का विशाल भण्डार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश खनन के क्षेत्र में अधिक राजस्व प्राप्त कर नई ऊंचाइयां छू रहा है। प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2023-24 के मुकाबले खनिज राजस्व संग्रह में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई, प्रदेश में पहली बार खनिज राजस्व संग्रह 5 अंकों में पहुंच गया। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस अवधि में 4 हजार 958 करोड़ 98 लाख रुपए प्राप्त हुए थे। जबकि वर्ष 2024-25 में यह प्राप्ति 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक प्राप्त किया गया है।

▪ **मध्यप्रदेश खनिज ब्लॉक्स की नीलामी में सर्वप्रथम** : मध्यप्रदेश मुख्य खनिज ब्लॉकों की सर्वाधिक संख्या में नीलामी करने में देश में प्रथम स्थान पर है। भारत सरकार द्वारा वर्तमान में स्ट्रैटेजिक एवं क्रिटिकल मिनरल पर देश की आत्म-निर्भरता बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे इन खनिजों की आयात पर निर्भरता कम हो सके। प्रदेश द्वारा इस खनिज समूह के अंतर्गत अभी तक ग्रेफाइट के 8 खनिज ब्लॉक, रॉक-फॉस्फेट खनिज के 6 ब्लॉक सफलतापूर्वक नीलाम किए गए हैं। मुख्य खनिज के 20 ब्लॉकों की नीलामी के लिए विभाग द्वारा 9 अगस्त, 2024 को निविदा आमंत्रण सूचना-पत्र (NIT) जारी की गई है, जिसकी कार्यवाही प्रचलन में है। इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण खनिज गोल्ड के 4 ब्लॉक, मैग्नीज खनिज के 16 ब्लॉक एवं कॉपर का एक ब्लॉक अभी तक सफलतापूर्वक नीलाम किए गए हैं। भारत सरकार द्वारा जनवरी-2024 में एक्सप्लोरेशन नीति प्रभावशील की गई। इस नीति के तहत मध्यप्रदेश राज्य द्वारा क्रिटिकल मिनरल के 2 ब्लॉक नीलामी में रखे गये हैं। मध्यप्रदेश केंद्र सरकार की इस नीति का क्रियान्वयन करने वाला पहला राज्य बन गया है। खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में भी प्रदेश प्रथम स्थान पर है। प्रदेश में स्ट्रेटेजिक एवं क्रिटिकल मिनरल, मुख्यतः रॉक-फास्फेट, ग्रेफाइट, ग्लूकोनाइट, प्लेटिनम एवं दुर्लभ धातु (आरईई) के लिए कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 11 क्षेत्रों पर अन्वेषण कार्य किया गया। प्रदेश में जिला खनिज विभाग के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य, जिसमें पेयजल, चिकित्सा, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, स्वच्छता, कौशल विकास और वृद्ध, विकलांग कल्याण के लिए 16 हजार 452 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनकी लागत 4406 करोड़ रुपए है।

अवैध खनन को रोकने के लिये ई-चैकगेट की स्थापना : *प्रदेश में खनिज के अवैध परिवहन रोकने के लिए एआई आधारित 41 ई-चेकगेट स्थापित किए जा रहे हैं। ई-चैकगेट पर वेरीफोकल कैमरा, आरएफआईडी रीडर और ऑटोमेटिक नम्बर प्लेट रीडर की सहायता से खनिज परिवहन में संलग्न वाहन की जाँच की जा सकेगी। परियोजना में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में खनिज परिवहन के लिये महत्वपूर्ण 4 स्थानों पर ई-चेकगेट स्थापित कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अवैध परिवहन की निगरानी के लिये राज्य स्तर पर भोपाल में कमाण्ड एवं कंट्रोल सेंटर तथा जिला भोपाल एवं रायसेन में जिला कमाण्ड सेंटर स्थापित किया गया है। इस वर्ष तक सभी 41 ई-चैकगेट की स्थापना किए जाने का लक्ष्य है। अवैध खनन की रोकथाम के लिए उपग्रह और ड्रोन आधारित परियोजना प्रारंभ की गई है। इस परियोजना के माध्यम से 7 हजार खदानों को जियो टैग देकर खदान क्षेत्र का सीमांकन किया गया है। यह परियोजना पूर्ण रूप से लागू होने पर अवैध खनन को चिन्हित कर प्रभावी कार्यवाही हो सकेगी। परियोजना के लागू होने पर स्वीकृत खदान के अंदर 3-डी इमेजिंग तथा वॉल्यूमेट्रिक एनालिसिस कर उत्खनित खनिज की मात्रा का सटीक आंकलन किया जा सकेगा। माइनिंग में नवाचारों से प्रदेश की आर्थिक प्रगति सुनिश्चित होगी, साथ ही इससे मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर खनिज उत्पादक राज्य के रूप में नई पहचान मिलेगी।*

▪ **निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन** : मध्यप्रदेश सरकार निजी क्षेत्र को प्रदेश के प्रचूर खनिज संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में हाल ही में भोपाल में आयोजित माइनिंग कॉन्क्लेव में कई बड़ी कंपनियों ने माइनिंग सेक्टर में निवेश की इच्छा जताई है। कॉन्क्लेव में 20 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार ने खनिज क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई सुधार किए हैं। इनमें पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया, पर्यावरण-अनुकूल खनन और स्थानीय समुदायों को मुनाफे में भागीदारी देने जैसे कदम शामिल हैं।

▪ **प्रदेश में है देश का एकमात्र हीरा भण्डार** : प्रदेश के पन्ना जिले में देश का एकमात्र हीरे का भण्डार है। हीरा खदान से प्रतिवर्ष एक लाख कैरेट हीरे का उत्पादन होता है। मलाजखण्ड कॉपर खदान भारत की सबसे बड़ी ताम्बा खदान है। इस खदान से प्रतिदिन 5 से 10 हजार ताम्बा निकाला जाता है। भारत के कुल ताम्बा भण्डार का 70 प्रतिशत ताम्बा मध्यप्रदेश में है। मप्र देश का चौथा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक राज्य है। प्रदेश में लाइम-स्टोन, डायमण्ड और पाइरोफ्लाइट जैसे खनिज संसाधन हैं। मध्यप्रदेश के जिलों में खनिज के भण्डार हैं, जिसमें सतना, रीवा और सीधी में लाइम-स्टोन, बॉक्साइट, ग्रेफाइट, गोल्ड और ग्रेनाइट, सिंगरौली में कोयला, गोल्ड और आयरन, शहडोल, अनूपपुर और उमरिया में कोयला, कोल बेड, मिथेन और बॉक्साइट, छतरपुर, सागर और पन्ना में डायमण्ड, रॉक फास्फेट, आयरन, ग्रेनाइट, लाइम, डायस्पोर और पाइरोफ्लाइट, जबलपुर और कटनी में बॉक्साइट, डोलोमाइट, आयरन, लाइम-स्टोन, मैग्नीज, गोल्ड और मार्बल, नीमच और धार में लाइम-स्टोन, बैतूल में कोयला, ग्रेफाइट, ग्रेनाइट, लीड और जिंक, छिंदवाड़ा में कोयला, मैग्नीज और डोलोमाइट, बालाघाट में कॉपर, मैग्नीज, डोलोमाइट, लाइम-स्टोन और बॉक्साइट है।

डॉ. मोहन यादव सरकार का महिला सशक्तिकरण मिशन, 48,655 महिलाओं को समूहों से जोड़ा

मप्र में स्व सहायता समूहों से समृद्ध हुई महिलाएं उद्यमिता, शिक्षा और रोजगार के अवसर भी मिले

प्रदेश सरकार का महिला मिशन महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनैतिक विकास को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें सम्मान और सुरक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। सरकार ने महिलाओं के समग्र विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। इस मिशन के तहत, महिलाओं को उद्यमिता, कौशल विकास, शिक्षा और रोजगार के अधिक अवसर दिए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) ने ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं का प्रभाव ग्रामीण परिवारों के जीवन में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत गरीब परिवार के लगभग 62 लाख सदस्यों को लगभग 5 लाख स्व-सहायता समूहों से जोड़ा गया है। इनमें से लगभग 15 लाख परिवारों की सालाना आय न्यूनतम 1 लाख से अधिक अथवा करीब 10-12 हजार रुपए महीने तक पहुंची है। यह आंकड़े मध्यप्रदेश में आर्थिक उन्नयन के प्रयासों की सफलता को दर्शाते हैं।

समूहों के माध्यम से की शुरुआत

इस मिशन के तहत महिलाओं को स्व सहायता समूह बनाकर कई प्रकार के व्यवसायों की शुरुआत करने का अवसर मिला। इन व्यवसायों में स्कूली ड्रेस सिलाई, पोषण आहार का संचालन, टोल टैक्स बैरियर प्रबंधन, राशन की दुकानों का संचालन, जल प्रबंधन, पंचायतों में कर संग्रहण और सड़कों के रख-रखाव जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। इससे महिला सशक्तिकरण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली। मिशन के समूहों से जुड़े परिवारों को आजीविका के एक से अधिक विकल्प उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रशिक्षण, मार्गदर्शन के साथ-साथ वित्तीय सहयोग भी दिया जा रहा है। विगत एक वर्ष में मिशन के अंतर्गत 48,655 महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जा चुका है। इसके साथ ही 479 ग्राम संगठन (वीओ) और 35 संकुल स्तरीय संगठन (सीएलएफ) स्थापित किए गए हैं, जो ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान में योगदान दे रहे हैं। मिशन ने 21,860 स्व-सहायता समूहों को कुल 43.57 करोड़ रुपए परिक्रामी निधि (रिवाल्विंग फण्ड) और 14,657 समूहों को 129.92 करोड़ रुपए सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) प्रदान की है। इसके अलावा, विभिन्न बैंकों से 1,38,192 समूहों को 3,115 करोड़ रुपए का ऋण प्राप्त हुआ है, जो इन समूहों के आर्थिक विकास में सहायक बन रहा है।

- **नवीनतम तकनीकी और उद्योग आधारित आजीविका अवसर** : स्व सहायता समूहों को स्थायी व्यवसाय और आजीविका के उद्देश्य से नमो ड्रोन दीदी योजना प्रारंभ की गई। यह योजना महिला स्वयं सहायता समूहों को कृषि प्रयोजनों के लिए किसानों को ड्रोन किराए पर देने में सक्षम बनाती है नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे नवीन तरल उर्वरकों के पत्तों पर छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग से कृषि में उन्नत तकनीक की शुरुआत करती है। योजना मे इस वर्ष प्रदेश की 89 महिलाओं को ड्रोन पायलट के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा, फर्टिलाइजर कंपनियों द्वारा ड्रोन भी उपलब्ध कराए गए हैं, जो कृषि कार्यों में आधुनिक तकनीकी का उपयोग बढ़ा रहे हैं।
- **कृषि और पशुपालन में नई दिशा** : कृषि, पशुपालन, दुग्ध उत्पादनतथा गैर वानिकी लघु वनोपज संग्रहण के क्षेत्र में भी आजीविका मिशन द्वारा बड़े पैमाने पर समूह सदस्यों को संगठित कर प्रोड्यूसर कंपनियों से जोड कर लाभान्वित किया गया है। प्रदेश में गठित 135 प्रोड्यूसर कंपनियों के माध्यम से कृषि, कुक्कुट पालन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, लघु वनोपज आदि के क्षेत्र में नई क्रांति लाने में कामयाबी मिली है। मध्यप्रदेश में आजीविका मिशन द्वारा 2,84,000 परिवारों को कृषि और पशुपालन आधारित आजीविका गतिविधियों से जोड़ा गया है। किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 10.83 लाख टन अनाज का उपार्जन किया गया है, जिससे किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिल सका है। इसके अलावा, 7 किसान उत्पादक कंपनियों का गठन किया गया है, जिनमें 928 समूह सदस्यों को जोड़ा गया है। ए कंपनियां किसानों को उनके उत्पादों के बेहतर विपणन और मूल्य में वृद्धि के लिए सहायता प्रदान कर रही हैं।
- **आजीविका मार्ट और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण योजना** : आजीविका मार्ट, भोपाल द्वारा पिछले एक वर्ष में 9.73 करोड़ रुपए की बिक्री की गई है, जो ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को बाजार में स्थापित करने का एक सफल उदाहरण है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (PMFME) के तहत 1,217 समूह सदस्यों को 348.38 लाख रुपए का सीड कैपिटल अनुदान प्रदान किया गया है, जिससे उनके छोटे-छोटे खाद्य प्रसंस्करण उद्यम को बढ़ावा मिला है।
- **लखपति दीदी और मिलेट आधारित आजीविका संवर्धन** : लखपति दीदी इनिशिएटिव कार्यक्रम के तहत 13.69 लाख महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिनका उद्देश्य उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। लखपति दीदी संगीता मालवीय ने 25 अगस्त 2024 को जलगांव (महाराष्ट्र) में हुए लखपति दीदी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संवाद करने का अवसर मिला। इसके साथ ही मिलेट आधारित आजीविका संवर्धन के तहत 9,000 महिला समूहों को मिलेट उपार्जन और प्रसंस्करण गतिविधियों से जोड़ा गया है। जिले डिण्डौरी और सिंगरौली में आधुनिक मिलेट प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की गई हैं, जो इन महिलाओं के लिए नई आजीविका के अवसर पैदा कर रही हैं।
- **ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर** : आजीविका मिशन के तहत 79,634 ग्रामीण युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं। डी.डी.यू.जी.के.वाई. और आरसेटी के माध्यम से इन युवाओं को रोजगारोन्मुखी और स्वरोजगार प्रशिक्षण दिया गया है, जिससे उनकी जीवनशैली में सुधार आया है।
- **राजनीतिक और सामाजिक सशक्तिकरण की ओर एक कदम** : महिला समूह सदस्यों ने पात्रता अनुसार शासन की योजनाओं का आगे बढकर लाभ लिया है। स्वच्छता अभियान, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण संरक्षण, बचत, बैंकिंग, डिजीटल लेन-देन, सुरक्षा बीमा आदि क्षेत्रों में उनके द्वारा न केवल स्वयं लाभ लिया गया है अपितु दूसरे लाभार्थियों के लिए मददगार भी बनी है। घरेलू हिंसा में कमी, लिंग भेद में कमी लाने के प्रयास करना तथा अन्य शासकीय अभियानों, शासकीय योजनाओं तथा सामुदायिक विकास के मुद्दों तथा निगरानी में भागीदारी बढी है। विगत पंचायत निर्वाचन में प्रदेश में लगभग 17 हजार समूह सदस्य महिलाएं पंच, सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य आदि पदों पर निर्वाचित हुई हैं। यह आंकडा बताता है कि विकास की मुख्य धारा से जुड़कर जागरूक हुई महिलाएं अपने सामाजिक, आर्थिक सशक्तीकरण के साथ-साथ राजनैतिक सशक्तीकरण की ओर भी तेजी से अग्रसर हैं। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने महिला सशक्तिकरण, सामाजिक और आर्थिक सुधारों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया है। यह मिशन ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक साबित हो रहा है। साथ ही समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। ग्रामीण महिलाएं अब न केवल अपने परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार कर रही हैं, बल्कि समाज और राजनीति में भी अपनी सशक्त भूमिका निभा रही हैं।

दीदी कैफे से मिला महिलाओं को रोजगार

केन्द्र सरकार के सौ दिनों में लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य मिलने के बाद मध्यप्रदेश में 96 हजार 240 बहनें लखपति दीदी बन गईं। इनको मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से वित्तीय सहायता, बाजार सहायता एवं तकनीकी सहायता दी गई है। इनके स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की पहुंच बड़े बाजारों तक बनाने के लिए डिजीटल प्लेटफार्म पर लाकर ऑनलाईन मार्केटिंग की जा रही है। प्रदेश में लगभग 46,000 परिवारों को गैर कृषि आधारित लघु उद्यम गतिविधियों से जोड़ा गया है और 20 नए दीदी कैफे की शुरुआत की गई है। इन कैफे के माध्यम से महिलाएं अपनी आजीविका चला रही हैं।

मोदी के विकसित भारत की उड़ान भरता

मोहन का मध्यप्रदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का सपना साकार हो रहा है। इस सपने को साकार करने में स्वास्थ्य क्षेत्र की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक स्वस्थ राष्ट्र ही समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बन सकता है। स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार, तकनीकी विकास और गुणवत्ता सुधार के प्रति प्रतिबद्धता के साथ भारत वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इसी दिशा में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य ने लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। जहां एक ओर प्रदेश में वर्ष 2003 तक सिर्फ 5 शासकीय मेडिकल कॉलेज थे। अब 17 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। हाल ही में 3 नए मेडिकल कॉलेज नीमच, मंदसौर, सिवनी का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। आगामी 2 वर्षों में 8 शासकीय और 12 मेडिकल कॉलेज PPP मोड पर प्रारंभ करने की योजना प्रक्रियाधीन है। राज्य सरकार प्रत्येक जिले के लिए एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प ने प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में कई ऐतिहासिक पहल की हैं। उज्जैन में प्रदेश की पहली मेडिसिटी और एक नए चिकित्सा महाविद्यालय के लिए 592.30 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। 13 शासकीय नर्सिंग महाविद्यालयों की स्थापना के लिए स्वीकृति दी है। स्वास्थ्य संस्थानों के लिए 46,491 नए पद सृजित किए गए हैं। यह कदम न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगा। प्रदेश में दो वर्षों से लंबित लगभग एक लाख नर्सिंग छात्र-छात्राओं की परीक्षा इस वर्ष आयोजित की गई, जिससे उनके भविष्य को लेकर उपजे संदेह का निराकरण हुआ है। प्रदेश के हर नागरिक को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना मुख्यमंत्री की प्राथमिकता रही है। जहां एक ओर प्रधानमंत्री जी ने आयुष्मान योजना का विस्तार करते हुए 70 वर्ष से अधिक के नागरिकों को योजना में लाभ की पात्रता प्रदान की है, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री ने 'पीएमएयर एंबुलेंस सेवा' के माध्यम से राज्य के गंभीर रोगियों और दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित और उच्च चिकित्सा सहायता प्रदान की है। हेली एंबुलेंस और फिक्स्ड विंग फ्लाइंग एंबुलेंस की सेवाएं राज्य के भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत कर रही हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में 14 गुना वृद्धि

प्रदेश में पारंपरिक ऊर्जा के साथ ही नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उत्पादन में निरंतर वृद्धि हो रही है। प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा की स्थापना क्षमता आज से 12 वर्ष पूर्व 438 मेगावॉट थी जो दिसम्बर 2024 तक 7 हजार 300 मेगावॉट हो गई है। यह लगभग 14 गुना वृद्धि है। वर्तमान में, प्रदेश की कुल ऊर्जा क्षमता का 21 प्रतिशत नवकरणीय ऊर्जा से उत्पादित है। वर्ष 2030 तक, मध्यप्रदेश में 20 हजार मेगावॉट नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादन लक्षित है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 25 दिसंबर 2024 को देश की सबसे बड़ी ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजना का खजुराहो से वर्चुअली लोकार्पण किया। ओंकारेश्वर में कुल 600 मेगावॉट विद्युत उत्पादन के लक्ष्य के प्रथम चरण में 278 मेगावॉट क्षमता का संयंत्र सौर ऊर्जा का उत्पादन प्रारंभ कर चुका है। मिशन मोड में सभी शासकीय भवनों पर सोलर रूफटॉप की

स्थापना का लक्ष्य है। राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर मध्यप्रदेश में 11 से 26 दिसम्बर 2024 तक जन-कल्याण पर्व मनाया गया। इसी तरह, 11 से 26 जनवरी 2025 की अवधि में मुख्यमंत्री जन-कल्याण अभियान संचालित कर शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं से वंचित नागरिकों को लाभान्वित करने और जन-समस्याओं के मौके पर निराकरण का कार्य किया गया। अभियान में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की चिह्नित 45 हितग्राहीमूलक योजनाओं के साथ सेवा शिविर लगाकर 32 लाख से अधिक नागरिकों के हितलाभ आवेदन-पत्रों का निराकरण किया गया है।प्रदेश में गत एक वर्ष में अनेक पर्व, त्योहार सरकार और समाज ने मिलकर मनाए। मकर संक्रांति, भारतीय नववर्ष और गुड़ी पड़वा से लेकर गीता जयंती तक यह सिलसिला निरंतर चला। प्रदेश में एक हजार 450 किलोमीटर लंबे श्रीराम वन गमन पथ निर्माण का निर्णय लिया गया। साथ ही, प्रदेश में श्रीकृष्ण लीलाओं से जुड़े विभिन्न तीर्थ-स्थलों सांदीपनि आश्रम, नारायणा गाँव (उज्जैन), जानापाव (इंदौर) एवं अमझेरा (धार) को जोड़कर श्रीकृष्ण पाथेय का निर्माण होगा। राज्य में श्रीकृष्ण पाथेय न्यास का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना में 823 ट्रेनों के संचालन पर 854 करोड़ रुपए व्यय किए गए हैं।

▪ **प्रदेश में टाइगर रिजर्व** की संख्या में वृद्धि हो रही है। मध्यप्रदेश टाइगर और लेपर्ड स्टेट के साथ-साथ चीता स्टेट भी बन गया है। भोपाल का रातापानी प्रदेश का आठवां टाइगर रिजर्व बना है तो माधव नेशनल पार्क को भी टाइगर रिजर्व घोषित करने की कार्यवाही की जा रही है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और राजस्थान को मिलाकर देश के सबसे बड़े चीता कॉरिडोर के विकास की पहल हुई है।

792 वन ग्रामों का राजस्व ग्रामों में किया परिवर्तन : मुख्यमंत्री

- 6 माह का विशेष अभियान चलाया गया
- राजस्व नक्शा बनाने का कार्य हुआ शुरू

उज्जैन/भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 6 माह का विशेष अभियान चलाकर 792 वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने की अधिसूचना संबंधित कलेक्टर्स द्वारा जारी कर दी गई है। इसमें बैतूल जिले के 91, डिंडौरी के 86, मंडला के 75, खरगौन के 65, बड़वानी के 64, खंडवा के 51, सीहोर के 49, छिंदवाड़ा के 48, बालाघाट के 46, हरदा के 42, बुरहानपुर के 37, सिवनी के 28, नर्मदापुरम के 24, भोपाल के 14, धार के 13, देवास के 12, सिंगरौली के 11, नरसिंहपुर के 10, रायसेन के 7, टीकमगढ़ एवं जबलपुर के 5-5, सागर के 4, विदिशा, राजगढ़, इंदौर, कटनी और गुना के 1-1 गांव शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कुल 827 वन ग्राम बचे थे। इनमें से 792 को राजस्व ग्राम में परिवर्तित किया जा चुका है। शेष 35 वन ग्रामों के वीरान/विस्थापित होने अथवा डूब क्षेत्र में होने से परिवर्तन करने की आवश्यकता नहीं रही। इस प्रकार विस्थापित होने वाले गांव को छोड़कर प्रदेश के सभी वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित कर दिया गया है। इन 792 ग्रामों के राजस्व नक्शा बनाने का कार्य राजस्व विभाग द्वारा शुरू कर दिया है। भू-अभिलेख और नक्शा पूरे हो जाने से अब ग्रामवासियों को बड़ी सहूलियत होगी।

▪ **अब यह सुविधाएं मिल सकेंगी-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन ग्राम के राजस्व ग्राम में परिवर्तित हो जाने से ग्रामवासियों को अनेक सुविधाएं और विकास की सौगातें मिल सकेंगी। बंटवारा और नामांतरण होने के साथ फसलों की गिरदावरी भी हो सकेगी। प्राकृतिक आपदा पर फसल बीमा योजना का लाभ मिलेगा, आंगनवाड़ी एवं विद्यालय भवन स्वीकृत हो सकेंगे और स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। बिजली, पानी, सड़क, तालाबों आदि भी मिल सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्राम सभा के माध्यम से वनवासियों के कल्याण के लिए कार्य का अवसर भी मिलेगा।

D-19003/25

संपादकीय

मंदी की आशंकाओं के बीच

अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ हठ ने भारतीय अर्थव्यवस्था व रिजर्व बैंक के सामने नई चुनौतियां रख दी हैं। लिहाजा बैंक की नये वित्त वर्ष की पहली ही बैठक वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण अत्यधिक जटिल माहौल में हुई है। अमेरिका ने पिछले हफ्ते सभी व्यापार साझेदारों पर जवाबी शुल्क लगा दिया। भारत से होने वाले आयात पर 26 फीसदी टैरिफ लगेगा। चीन पर 34 फीसदी जवाबी शुल्क लगा है और पहले से लगे 20 फीसदी शुल्क को मिला दें तो चीनी माल पर कुल शुल्क 54 फीसदी हो जाता है। चीन ने भी जवाब में अमेरिकी आयात पर 34 फीसदी शुल्क लगा दिया है। इसका साफ असर तीन दिन से बाजारों में है। अस्थिरता बहुत बढ़ गई है और दुनिया भर के शेयर बाजार गिर रहे हैं। बंबई स्टॉक एक्सचेंज में रोज बेचैनी अस्थिरता है। उधर दुनिया भर के बाजारों में कच्चा तेल सस्ता हुआ है और ब्रेंट क्रूड अप्रैल में 15 फीसदी से ज्यादा नीचे आ चुका है। अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर यील्ड इस महीने करीब 25 आधार अंक घट गई है। यानि बाजार मान रहे थे कि फेडरल रिजर्व नीतिगत दरों में तेजी से कमी करेगा। मगर आशंका है कि अमेरिका मंदी की गिरफ्त में जा सकता है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए हालात तेजी से प्रतिकूल होते जा रहे हैं। मुश्किल यह है कि मंदी तब आ रही है, जब शुल्क बढ़ने से अमेरिका में उपभोक्ता कीमतें चढ़ सकती हैं। फेड के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने पिछले हफ्ते कहा कि शुल्क के कारण महंगाई कुछ समय तक बढ़ी रह सकती है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी आई तो विश्व युद्ध के बाद के सबसे बड़े वैश्विक व्यापारिक झटके के साथ मिलकर यह वैश्विक वृद्धि पर बहुत बुरा असर डाल सकती है। हालांकि ट्रंप ज्यादा चिंता नहीं कर रहे,उनका मानना है कि हालात सुधर जाएंगे और अमेरिका उबर जाएगा। इधर भारतीय रिजर्व बैंक की एमपीसी के सामने चुनौती यह भांपना है कि ब?ी हुई अनिश्चितता भारत में वृद्धि और मुद्रास्फीति पर कैसा असर डालेगी। आज के हालात में एमपीसी को लगता है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक वाली मुद्रास्फीति की दर इस वित्त वर्ष में औसतन 4.2 फीसदी रहेगी, जो केंद्रीय बैंक के मध्यम अवधि के लक्ष्य के आसपास है। भारत निर्यात पर अधिक शुल्क लगाता है (बेशक वह कुछ एशियाई देशों से कम है), जिसका असर उत्पादन और वृद्धि पर पड़ेगा। हालांकि अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि भारत सरकार अमेरिका के साथ द्विपक्षीय समझौते पर बातचीत कर रही है। फिर भी खाद्य मुद्रास्फीति नरम रहने पर धीमी वृद्धि कंपनियों की मूल्य तय करने की ताकत घटाएगी, जिससे कुल मिलाकर मुद्रास्फीति में कमी आएगी। कच्चे तेल की कीमतों में कमी भी मुद्रास्फीति को कम करेगी। केंद्र सरकार ने सोमवार को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में दो रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया है, जिससे कच्चा तेल सस्ता होने का ज्यादा फायदा नहीं मिल पाएगा। अलबत्ता रसोई गैस सिलेंडरों में पचास रूपये की वृध्दि हो गई है। माना जा रहा है कि अमेरिका में शुल्क अधिक रहने से आयात मांग घटेगी। दुनिया भर में अधिक उत्पादन के कारण इस सूरत में कुछ समय वैश्विक मूल्य घटे रहेंगे। इसके कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की दिशा बदल सकती है, जिससे कीमतें बढ़ेंगी मगर सही असर का अंदाजा अभी लगा पाना मुश्किल है। लिहाजा माजा जा सकता है कि भारतीय सरकार और रिजर्व बैंक को अब हालातों पर ज्यादा बारीकी से नजर रखने की जरूरत पड़ेगी क्योंकि अमेरिका ने अगले कुछ महीने के लिये वित्तीय उथलपुथल की शुरूआत तो कर ही दी है।

श्रीलंका के बरास्ते तमिलनाडु में मोदी व्यूह!

■ पुष्परंजन

भारत-श्रीलंका रक्षा सहयोग विन्ची कोड की तरह हो चुका है। 'दा विंची कोड' डैन ब्राउन द्वारा 2003 में लिखा गया रहस्यपूर्ण थ्रिलर उपन्यास है। जिसमें इतिहास के चौंकाने वाले रहस्य उजागर होते हैं, जिन पर सुनियोजित ढंग से पर्दा डाला गया था। पेरिस के लूव्र म्यू?ियम के क्यूरेटर को रहस्य मालूम था। उसकी हत्या हो जाती है। वह मरते समय लियोनार्दो द विन्ची के एक चित्र की आकृति बनाते हुए, फिबोनाकी सीरीज के नम्बरों के साथ, संकेत के रूप में छोड़ जाता है।' पूरी कहानी उस विन्ची कोड को 'डिकोड' करने में निकल जाती है। पीएम मोदी कुछ ऐसा ही विन्ची कोड कोलम्बो छो? आये हैं, जिसे 'डिकोड' करने में वहां का विपक्ष लग गया है। भारत से किस तरह का रक्षा सहयोग हुआ है? न विपक्ष को पता है, न वहां की मीडिया को।भारत-श्रीलंका के बीच अच्छे, और बुरे दोनों तरह के सम्बन्ध रहे हैं। राजीव गांधी के कालखंड में उभयपक्षीय संबंधों का भूस्खलन लोग भूल नहीं पाते। नई दिल्ली ने पिछले साल के राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों से काफी पहले सही तरीके से अंदाजा लगा लिया था, कि राजनीतिक हवाएं किस दिशा में बह रही हैं। पीएम मोदी ने जल्द ही राष्ट्रपति बनने वाले अनुरा कुमार दिसानायके को भारत आने का निमंत्रण दिया, जहां उनका शानदार स्वागत हुआ। राष्ट्रपति चुने जाने के कुछ सप्ताह बाद दिसानायके ने भारत की राजकीय यात्रा की, बाद में वो चीन भी गए।

श्रीलंका, निस्संदेह हिंद महासागर में भारत और चीन के बीच शक्ति प्रतिद्वंद्विता से लाभान्वित हो रहा है, जहां भारत अपनी पड़ोसी प्रथम नीति के माध्यम से लाभ चाहता है, जबकि चीन अपनी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' के माध्यम से लाभ उठाना चाहता है। नए श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा करने के बाद, चीन की यात्रा करने का विकल्प चुनकर शक्ति संतुलन का प्रयास किया था। जनवरी, 2025 में दिसानायके ने चीन की राजकीय यात्रा की, जिस दौरान दोनों पक्षों ने चीन-श्रीलंका रणनीतिक सहकारी साझेदारी को गहरा करने और साझा करने का संकल्प किया था। श्रीलंका का अ?बार 'द आइलैंड' ने अपने सम्पादकीय में लिखा- 'उपहार के घोड़ों के मुंह पर हाथ धरे बैठे बिना, हमें हमेशा सचेत रहना चाहिए, कि मुफ्त भोजन जैसी कोई चीज़ नहीं होती है। हमें अपने हितों की

रक्षा करनी चाहिए।'एक बात है, श्रीलंका की घरेलू राजनीति से भारत का तमिलनाडु सीधा प्रभावित नहीं होता, तो सहयोग का स्वरूप कुछ और होता। श्रीलंका की यात्रा के तुरंत बाद, रविवार को पीएम मोदी का रामेश्वरम पहुंचना, पंबन वर्टिकल रेल पुल का उद्घाटन, आखिर क्या सन्देश देता है? श्रीलंका के बरास्ते पीएम मोदी तमिलनाडु में व्यूह रच रहे हैं, इतनी बात तो किसी राजनीतिक विश्लेषक की समझ में आ जानी चाहिए। श्रीलंका में महो-अनुराधापुरा रेलवे सिग्नलिंग सिस्टम और नव उन्नत महो-ओमानथाई रेलवे लाइन का उद्घाटन, ऊर्जा, डिजिटलीकरण, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ भारत की ऋण पुनर्गठन सहायता से संबंधित समझौते, सामपुर सौर ऊर्जा संयंत्र, दांबुला में 5,000 मीट्रिक टन तापमान और आर्द्रता नियंत्रित कोल्ड स्टोरेज सुविधा, और 5,000 धार्मिक स्थलों पर सौर पैनलों की स्थापना, त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने, श्रीलंका में बिजली, पेट्रोलियम में कनेक्टिविटी स्थापित करने, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में सहयोग, ये सब उस व्यूह रचना का हिस्सा है, जो श्रीलंका से तमिलनाडु तक डैमेज कंट्रोल की तरह है। प्रधानमंत्री मोदी अपने साथ कई उपहार भी लेते गए, जिनमें युद्धग्रस्त उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए लगभग 2.4 बिलियन श्रीलंकाई रुपये के पैकेज के रूप में है। शायद, यही सहयोग भाव तमिलनाडु की राजनीतिक तपोभूमि में बीजेपी का मार्ग प्रशस्त करेगा।

श्रीलंका 2022 में भारत द्वारा प्रदान की गई भारी सहायता को नहीं भूल सकता, जब इस देश ने अपने समकालीन इतिहास में सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना किया था। उस समय भारत ने बहु-आयामी सहायता प्रदान की, जिसमें कई क्रेडिट लाइनों और मुद्रा समर्थन के माध्यम से 4 बिलियन डॉलर का वित्तपोषण पैकेज शामिल था, ताकि इस देश को आवश्यक आयातों को बनाए रखने और अपने ऋणों पर चूक से बचने में मदद मिल सके। लेकिन, जो बात चीन-पाकिस्तान-अमेरिका और एशिया-प्रशांत के देश जानना चाहते हैं, वो है रक्षा सहयोग। दोनों शासन प्रमुखों ने अपनी मुट्ठी नहीं खोली। प्रधानमंत्री मोदी ने 16 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ साझा प्रेस सम्मलेन को संबोधित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के निर्णय का खुलासा किया था, किन्तु उसका ब्योरा नहीं दिया था।हालांकि, सेवानिवृत्त एयर वाइस मार्शल संपत थुयाकोंथा, जिन्होंने रक्षा सचिव के रूप में रक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, ने कहा कि वे 2023 में रक्षा वार्ता के दौरान एक समझौता ज्ञापन के हवाले से रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। फिर भी, 2023 में रक्षा वार्ता में क्या कुछ था? उसे डिकोड करना चुनौती जैसा है। इस बार, पीएम मोदी ने जो कुछ भी रक्षा समझौते में किया, उसे लेकर चीन की भृकुटियां नहीं तनी हैं। हो सकता है, ट्रंप से तनाव की वजह से राष्ट्रपति शी भारत से नरम रु? बनाये रखना, वक्त का तका?ा समझते हों। चीन इस बार निर्विकार भाव से श्रीलंका-भारत संबंधों को देख रहा है। फुतान विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र के उप निदेशक लिन मिनवांग ने रविवार को ग्लोबल टाइम्स से कहा, 'मोदी की श्रीलंका यात्रा का मुख्य उद्देश्य चीन से संबंधित मुद्दे नहीं थे, क्योंकि भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंध भी विभिन्न जटिल मुद्दों का सामना कर रहे हैं।'

इस बार दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग पर सहमति-पत्र (एमओयू), 29 जुलाई, 1987 को विवादास्पद भारत-श्रीलंका शांति समझौते के लगभग 38 साल बाद आया है, जिस पर श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति जयवर्धने और भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हस्ताक्षर किए थे। उस समय भी समझौते की शर्तों को मंत्रिमंडल से छिपाया गया था। तब श्रीलंका की मार्क्सवाद-लेनिनवाद विचारधारा वाली वामपंथी पार्टी, जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) ने भारतीय विस्तारवाद का मुद्दा बनाया था। मगर आज, सबकुछ मीठा-मीठा है। हालांकि, फ्रंटलाइन सोशलिस्ट पार्टी और कुछ समूहों ने कोलंबो में विरोध प्रदर्शन करने की धमकी दी है। श्रीलंका, नए नेतृत्व के तहत एक नई राजनीतिक दिशा में आगे बढ़ रहा है, फिर भी, भारतीय मछुआरों द्वारा श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध शिकार, और समुद्री पर्यावरण को नष्ट करना हर बार मुद्दा बनता है। इस साल अवैध शिकार के आरोप में श्रीलंका ने 140, और 2024 में 550 से ज़्यादा भारतीय मछुआरों को गिरफ़्तार किया है। क्या इसका कोई निर्णायक समाधान हो पाएगा?

(साभार: ये लेखक के विचार हैं।)

अगड़ी जातियों के खिलाफ राहुल का हल्लाबोल कांग्रेस को किस रास्ते पर ले जाना चाहते हैं?

■ संतोष कुमार पाठक

बिहार में इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा का चुनाव होना है। तमाम राजनीतिक दल इस विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से तैयारियों में जुट गए हैं। एक तरफ जेडीयू के मुखिया नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन है, जिसमें विधायकों की संख्या के आधार पर बीजेपी नंबर वन की भूमिका में है। वहीं दूसरी तरफ आरजेडी के नेतृत्व में विपक्षी महागठबंधन है,जिसमें कांग्रेस दूसरे नंबर की बड़ी पार्टी है। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि कांग्रेस के नेता विपक्षी गठबंधन के लिए महागठबंधन शब्द की बजाय इंडिया गठबंधन का ही प्रयोग करने लगे हैं। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी अपनी पार्टी के जनाधार को लगातार बड़ाने के लिए बिहार का दौरा कर रहे हैं। वर्ष 2025 में ही राहुल गांधी अब तक तीन बार बिहार जा चुके हैं। अपने मिशन बिहार के तहत राहुल गांधी सोमवार (7 अप्रैल) को बिहार की धरती पर थे। पिछले कुछ महीनों के दौरान उनकी यात्राओं की बात करें तो यह राहुल गांधी का तीसरा बिहार दौरा था। इससे पहले राहुल गांधी 18 जनवरी और 4 फरवरी को बिहार के दौरे पर गए थे। लेकिन अपने बिहार दौरे के दौरान, राहुल गांधी ने सोमवार को जिस अंदाज में अपर कास्ट यानी अगड़ी जातियों पर हमला बोला,वो सबके लिए काफी चौंकाने वाला रहा। राहुल गांधी ने कहा कि, ÷इस देश में अगर आप अपर कास्ट के नहीं हैं, तो आप सेकंड क्लास सिटिजन हैं। ये बात मैं यूंही नहीं कह रहा। यह बात इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि मैंने सिस्टम को बहुत गहराई से देखा और समझा है। हमने तेलंगाना में जातिगत जनगणना की और उसके परिणामों को देखते हुए तेलंगाना में आरक्षण बढ़ा दिया। मैंने खुद नरेंद्र मोदी के सामने कहा है कि अगर आपकी सरकार आरक्षण की दीवार नहीं खत्म करेगी तो हम आरक्षण में 50 प्रतिशत की सीमा वाली दीवार तोड़

देंगे।÷राहुल गांधी यहीं नहीं थमे। उन्होंने अगड़ी जातियों के खिलाफ बाकायदा एक माहौल बनाने की कोशिश करते हुए आगे कहा, ÷हमने कांग्रेस के जिला अध्यक्ष चुनें और ये बहुत जरूरी कदम है। पहले हमारे जिला अध्यक्षों में अपर कास्ट के लोग थे, लेकिन अब नई लिस्ट में दो तिहाई लोग- ईबीसी, ओबीसी, दलित, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग से हैं। मैंने और खरगे जी ने बिहार की टीम को साफ संदेश दे दिया है कि आपका काम- बिहार की गरीब जनता का प्रतिनिधित्व करना है। दलितों, ईबीसी, ओबीसी, गरीब सामान्य वर्ग और महिलाओं को जगह देना है।

बिहार का यह दुर्भाग्य रहा है कि वहां के नेताओं ने बिहार को जातियों के आधार पर खंड-खंड बांटने का काम किया है। रही-सही कसर नीतीश कुमार ने ओबीसी में से ईबीसी और दलितों में से महादलितों को निकाल कर पूरी कर दी है। ऐसे में राहुल गांधी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का जोश बड़ाने और कांग्रेस के जनाधार को मजबूत बनाने के लिए ओबीसी, ईबीसी, दलित, महादलित और महिलाओं की बात करें, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है।लेकिन कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय और सबसे पुरानी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और वर्तमान में भी पार्टी आलाकमान की भूमिका निभा रहे राहुल गांधी से अगड़ी जातियों को लेकर इस तरह की भाषा की उम्मीद तो कतई नहीं की जा सकती है। जबकि कांग्रेस और खासतौर से गांधी परिवार ने बीडीएम अर्थात बी से ब्राह्मण (इसमें तमाम अगड़ी जातियों को जोड़ा जाता है), डी से दलित और एम से मुस्लिम फॉर्मूले के आधार पर दशकों तक देश पर राज किया है। बिहार में भी इसी फॉमूले के आधार पर दशकों तक कांग्रेस की सरकारें बनती रही हैं। यह भी एक सर्वविदित तथ्य है कि दलित और ओबीसी मतदाताओं को एक साथ नहीं साधा जा सकता। उत्तर प्रदेश में मायावती की पार्टी बीएसपी के साथ गठबंधन करने के बावजूद यूपी के दलितों ने अखिलेश यादव के उम्मीदवारों को वोट नहीं दिया था। बिहार में भी लालू यादव अपनी ही पार्टी के दिग्गज दलित नेता और बिहार के दूसरे दलित मुख्यमंत्री रहे रामसुंदर दास को जनता दल विधायक दल की बैठक में हरा कर ही 1990 में पहली बार राज्य में मुख्यमंत्री बने थे। ऐसे में राहुल गांधी जिस अंदाज में एक ही साथ पिछड़ों और दलितों को साधने की कोशिश कर रहे हैं, उसका असफल होना तय माना जा रहा है। राहुल गांधी को शायद यह पता नहीं है या हो सकता है कि उन्हें अब तक उनके करीबी लोगों ने यह नहीं बताया है कि बीजेपी समेत बिहार में चुनाव लड़ रहे तमाम राजनीतिक दलों ने ओबीसी, ईबीसी, दलित और महादलित को जातियों के हिसाब से बांट कर, उस पर अपना कब्जा जमा लिया है। ऐसे में कांग्रेस के लिए वहां बहुत ही कम स्कोप बचता है। कांग्रेस को यह भी याद रखना चाहिए कि अगड़ी जातियों के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल कर, राजनीति का सफर शुरू करने वाली मायावती भी पूर्ण बहुमत हासिल कर अपने दम पर उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य की मुख्यमंत्री तभी बन पाई थी, जब उन्होंने अगड़ी जातियों को भी बसपा के साथ जोड़ा था।

बिहार में दलित प्रदेश अध्यक्ष बनाकर राहुल गांधी ने पहले ही बड़ा दांव खेल दिया है। ऐसे में अगर वह गांधी परिवार के पुराने विनिंग फॉर्मूले पर अमल करते हुए अगड़ी जातियों को लुभाने की कोशिश करते तो कांग्रेस का संगठन और ज्यादा मजबूत होता नजर आता। बिहार में वर्ष 2022 में कराए गए जाति सर्वे में आए आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में सवर्ण वर्ग की कुल आबादी 2 करोड़ से भी ज्यादा यानी 15.52 प्रतिशत है। वहीं दलितों की कुल आबादी 19.65 प्रतिशत यानी 2.56 करोड़ है। अगर राहुल गांधी कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में अगड़ी जातियों और दलितों की बड़ी आबादी को लुभाने में कामयाब हो जाते हैं तो बीजेपी को हराने के नाम पर मुसलमान भी कांग्रेस के साथ खड़े हो जाएंगे। बता दें कि, बिहार में मुसलमानों की कुल आबादी 17.7 प्रतिशत है। ऐसे में राहुल गांधी फिर से बीडीएम फॉर्मूले के तहत कांग्रेस के लिए मजबूत वोट बैंक बनाने की शुरुआत कर सकते हैं। लेकिन उनके भाषण से यह साफ-साफ लग रहा है कि राहुल गांधी गलत ट्रैक पर चले गए हैं और इसका खामियाजा आने वाले दिनों में निश्चित तौर पर कांग्रेस को उठाना पड़ सकता है।

(साभार: ये लेखक के विचार हैं।)

> विनम्र बनो जितना जरूरी हो, वेवजह की विनम्रता दूसरों के अहम को बढ़ावा देती है।
> - अज्ञात

आज का इतिहास

- 1669- मुगल बादशाह औरंगजेब ने सभी हिन्दू स्कूलों और मंदिरों को ध्वस्त करने का आदेश दिया।
- 1860- पहली बार मनुष्य की आवाज रिकार्ड की गई ।
- 1893- हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार राहुल सांकृत्यायन का जन्म।
- 1948-1953- वार्नर ब्रदर्स ने 'हाउस ऑफ वैक्स% शीर्षक से पहली 3 डी फिल्म प्रदर्शित की।
- 1965- कच्छ के रण में भारत पाक में युद्ध छिड़ा।
- 1988- अमेरिका ने पनामा पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये।
- 1988 - ली पेंग चीन के प्रधानमंत्री बने।
- 2002- बहरीन में निगम चुनाव में महिलाओं को हिस्सा लेने की अनुमति मिली।
- 2003- इराक को सद्दाम की तानाशाही से मुक्ति मिली।
- 2003 - स्टीव वॉ सर्वाधिक टेस्ट (157) खेलने वाले खिलाड़ी बने।
- 2005- प्रिंस चार्ल्स ने कैमिला से विवाह किया।
- 2008- नेपाल में संविधान सभा के लिए मतदान हुआ।
- 2010- श्रीलंका के राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के यूनाइटेड पीपुल्स फ्रीडम एलायंय ने 225 सीटों वाली संसद में 117 सीटें जीतीं।
- 2011- सरकार द्वारा लोकपाल कानून बनाने की मांग मान लेने के बाद अन्ना हजारे ने 95 घंटे से जारी आमरण अनशन समाप्त कर दिया।

निशाना

हाल अब बेहाल!

-कृष्णेन्द्र राय

गर्मी से है हो गया ।
हाल अब बेहाल ।।
पेड़-पौधे कम हुए ।
उठना भी सवाल ।।
उमस और तपिश ने ।
लिया रुप विकराल ।।
राहत खातिर किसको?
हम बनाएं ढ़ाल ।।
बढ़ी परेशानी है ।
आओ करें विचार ।।
हद से ज्यादा बढ़ रहा ।
गर्मी का प्रहार ।।
चर्चा हो उपाय पर ।
राहत थोड़ी आए ।।
निकलें जो भी बातें ।
अमल में तो लाएं ।।

विधिक साक्षरता एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न, 74 लोगों की हुई जांच

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था रुद्राक्ष ह्यूमन वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से ग्राम पड़रिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों के लिए एक दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

शिविर में कुल 74 छात्रों और ग्रामीण जनों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सभी उपस्थित लोगों की प्राथमिक जांच की और आवश्यकतानुसार उन्हें निशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। इस पहल से ग्रामीणों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने और मौके पर ही चिकित्सीय परामर्श प्राप्त करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड बासौदा सृष्टि कुशवाह ने की। उन्होंने अपने संबोधन में ग्रामीण जनों को विश्व स्वास्थ्य दिवस के महत्व के बारे में बताया और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने संविधान के मूलभूत अधिकारों,

चिकित्सा के अधिकार, निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर और शिक्षा के अधिकार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी। ताकि वे इनका लाभ उठा सकें। उन्होंने आमजन को उनके स्वास्थ्य संबंधी कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में विस्तार से बताया। विशेष रूप से, उन्होंने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 और भरण-पोषण जैसे महत्वपूर्ण कानूनों पर जानकारी साझा की। जिससे ग्रामीण महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें।

कार्यक्रम में मध्यस्थता जागरूकता पर भी जोर दिया गया। जिससे छोटे-मोटे विवादों को आपसी सहमति से सुलझाने की प्रक्रिया को बढ़ावा मिल सके। इसके अतिरिक्त निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया और इसके महत्व के बारे में भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया।

इस अवसर पर रुद्राक्ष सोसायटी से देवेंद्र साहू, चंचल तामेश्वरी और ऋतु दांगी ने सक्रिय भूमिका निभाई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक, सचिव दिलीप शर्मा, विधायक प्रतिनिधि और स्वास्थ्य विभाग के दल के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने इस संयुक्त प्रयास की सराहना की। जो ग्रामीणों के स्वास्थ्य और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। यह शिविर न केवल ग्रामीणों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी रहा। बल्कि उन्हें उनके कानूनी अधिकारों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस तरह के आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होते हैं।

बच्चों को भीषण गर्मी बचाने शिक्षक संगठन जिला शिक्षाधिकारी से मिला

गंजबासौदा । लगातार बढते तापमान एवं भीषण गर्मी मे भी शालाऔ का समय प्रातः साढे दस से पांच बजे तक होने से छोटे छोटे बच्चे त्रस्त है परेशान है । सबसे अधिक प्रभावित नन्हे मुन्ने बच्चे हो रहे है जो घर से पानी की बोतल घर से ले जाते है लेकिन एक बोतल पानी एक घंटे मे ही खत्म हो जाता है । क्षेत्र मे कुछ शालाएं ऐसी है जहा गर्मी के समय पानी की भीषण समस्या रहती है। इन्ही सब समस्याऔ को लेकर शासकीय शिक्षक संगठन पूर्व मे भी एसडीएम को आवेदन दे चुका है। इसी क्रम मे संगठन के प्रांतीय उपाध्यक्ष पृथ्वीसिह के नेतृत्व मे पदाधिकारीगण जिला शिक्षा अधिकारी आरके ठाकुर से मिले। उन्होने इस समस्या को हल करने जल्द ही आदेश जारी करने की बात कही। इस अवसर पर वरिष्ठ कर्मचारी नेता उमराव सिंह कुशवाह, सैयद शफाकत हुसैन कादरी, संजीव रघुवंशी,अमर सिंह तोमर सहित अनेक शिक्षक नेता उपस्थित थे ।

बीईओ को धनगौर स्कूल में सुबह 8 बजे लगा मिला ताला, नोटिस किया जारी

तेंदुखेडा। अप्रैल माह में स्कूलों का समय बदला गया है अब स्कूल सुबह साढ़े सात बजे से लगना शुरू है लेकिन मंगलवार को जब तेंदुखेडा बीईओ नीतेश पांडे निरीक्षण पर ग्राम धनगौर में संचालित हाईस्कूल पहुंचे तो वह स्कूल में ताला लगा हुआ था उसके बाद बी ई ओ तारादेही हाईसेकेंडरी स्कूल पहुंचे वह स्कूल खुला पाया गया शिक्षक और बच्चे मिले बीईओ ने पाठ्यक्रम को लेकर शिक्षक और छात्र छात्राओं से चर्चा की।

तेंदुखेडा बी ई ओ नीतेश पांडे ने बताया कि शासन ने स्कूल का समय बदला है नियम अनुसार सभी स्कूल सुबह साढ़े सात बजे खुलने है मगर मंगलवार को जब में निरीक्षण पर धनगौर हाई स्कूल पहुंचा तो आठ बजे तक स्कूल में ताला लगा हुआ था कोई भी शिक्षक स्कूल नहीं पहुंचा था उसके बाद तारादेही हाईसेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण किया गया स्कूल खुला मिला शिक्षक मिले छात्र छात्राए भी मौजूद थी धनगौर स्कूल क्यों बंद था इसके लिए नोटिस काटकर जवाब मांगा जायेगा।

पंचतत्व की महिला सदस्य भी कर रही हैं पक्षियों के लिए जलपात्र का वितरण

गंज बासौदा । पंचतत्व संरक्षण समिति प्रति वर्ष गुड़ी पड़वा से पक्षी चेतना अभियान के अंतर्गत प्यासे पशुओं के लिए पानी की टंकी ओर प्यासे पक्षियों के दाना पानी के लिए सकोरे रखना शुरू करती है। इसी कार्यक्रम में पंचतत्व समिति महिला सदस्य भी अपने अपने वार्डों में घर घर जाकर महिलाओं को सकोरे नि:शुल्क भेंट कर उनमें पानी भरने का संकल्प भी करा रही हैं, वार्ड 06 में सदस्य नीतू राजपूत ने भी घर घर जाकर सुनीता शर्मा ओर कुंवर बाई कुशवाहा एवं अन्य महिलाओं को सकोरे देकर पानी से भरवाए, वार्ड 18 में समिति की सदस्य नीलू चौबे भी जलपात्र वितरित कर रही हैं समिति ने करीब 500 जलपात्र नि:शुल्क वितरित कर चुकी है। समिति के प्रमोद राजपूत ने बताया इस वर्ष 2000 सकोरे वितरण करने का लक्ष्य है।

तिवारी बने गुजराती बाज खेड़ावाल समाज के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य

नर्मदापुरम। मध्य क्षेत्रीय गुजराती बाज खेडावाल समाज की सामान्य सभा की बैठक जबलपुर में आयोजित हुई। बैठक नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में नर्मदापुरम से सौरभ तिवारी को कार्यकारिणी सदस्य और राजकुमार तिवारी को पदेन सदस्य बनाया गया है। भोपाल के अनिमेष पंडया अध्यक्ष नियुक्त हुए है। प्रवीण पंडया दमोह, अनिल दवे जबलपुर व वैभव जोशी दुर्ग को उपाध्यक्ष और अशोक धगट जबलपुर कोषपाल नियुक्त हुए है। सचिव सुधीर पंडया जबलपुर तथा सह सचिव शैलेन्द्र धगट जबलपुर, कंदर्भ त्रिवेदी हटा व डा चंचला दवे सागर बनी है। कार्यकारिणी सदस्य श्रीकृष्ण मेहता, दीपक भट्ट, योगेश मेहता, हेमंत दवे, सुनील धगट, अनूप पंडया, सुमित त्रिवेदी, कपिल भट्ट, मधुर भट्ट, राजेश धगट, सौरभ सेलट, उदय शुक्ल, सौरभ तिवारी, वर्षा धगट, मोनिका जोशी व जलज धगट बने है। पदेन सदस्य रमनकृष्ण जोशी, सुबोध भट्ट, अंजना धगट, विनित दवे, संदीप मेहता, अमित भट्ट, अखिल धगट, राजेंद्र दवे, नीलम जोशी, अनीश दवे, राजकुमार तिवारी व ऋषिकांत भट्ट नियुक्त हुए। कार्यकारिणी में एक अध्यक्ष, तीन उपाध्यक्ष, एक कोषपाल, एक सचिव, तीन सहसहसचिव, सत्रह कार्यकारिणी सदस्य और बारह पदेन सदस्य है।

धनीराम कटारे का हुआ निधन

तेंदूखेड़ा। नगर की वरिष्ठ नागरिक पूर्व जनपद लिपिक धनीराम कटारे का 74 वर्ष की आयु में मंगलवार 12:30 बजे निधन हो गया। ज्ञात हो कि वे दीपक कटारे एवं दीपेश कटारे के पिता थे। लगभग 1984 से श्री कटारे तेंदूखेड़ा जनपद में लिपिक रहे उन्होंने नौकरी की शुरुआत भी तेंदूखेड़ा से ही की थी नौकरी से सेवा निवृत होने के बाद वे नगर में ही रह रहे थे। श्री कटारे काफी मिलनसार कर्तव्य लिस्ट मृदाभाषी व्यक्तित्व के धनी थे। उनके निधन की खबर से नगर में अशोक की लहर दौड़ा गई। श्री कटारे का अंतिम संस्कार नगर के भटरियां मौहल्ला के शवदाह ग्रह में शाम 6 बजे किया गया है। अंतिम संस्कार पर नगर एवं बहर से आए सैकड़ो मौजूद थे जिन्होने दो मिनट का मोन रखकर अपनी श्रद्धानजली अर्पित की।

जल संसाधन मंत्री सिलावट ने तीखड में पंप हाउस का किया भूमिपूजन

जल है तो कल है, हर व्यक्ति प्रतिदिन 1 घंटे जरूर श्रमदान करें : सिलावट

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जल संसाधन मंत्री तुलसी राम सिलावट ने नर्मदापुरम जिले के केसला विकासखंड के ग्राम पंचायत तीखड में झाड़ बीडा उदवहन सिंचाई परियोजना अंतर्गत पंप हाउस क्रमांक 2 के अंतर्गत 4 पंपों का भूमि पूजन किया। ग्राम तीखड में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्री सिलावट ने पौधरोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश भी दिया।

केसला विकासखंड के ग्राम तीखड में स्थित झाड़ बीडा सिंचाई परियोजना से 79 गांव के 19 हजार 858 किसान लाभान्वित होगे। उक्त परियोजना की सिंचाई क्षमता 15 हजार 610 हैक्टेयर तक की है, साथ ही यह 177, 58 करोड़ की लागत से निर्मित किया जाएगा। सिलावट ने कहा कि जल है तो कल है। जल से प्रगति है। जल है तो अन्नदाता किसानों का विकास भी है। जल का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। पहले जब हम कहीं जाते थे तब अपने आस पास तालाब, बावडी, कुंओं एवं नालों को जल से लबालब देखा करते थे। लेकिन आज तालाबों में कालोनियां बन गई है। केंचमेंट ऐरिया समाप्त हो गया है। पहले 20

फीट में ही जल प्राप्ति हो जाती थी। लेकिन आज का जल स्तर इतना नीचे गिर गया है कि अब हमे 250 से 300 फीट तक खुदाई पर भी पानी नहीं मिलता।

सिलावट ने कहा कि यदि हमने आज जल का संरक्षण एवं संवर्धन नहीं किया तो आने वाली पीढी हमे मांफ नहीं करेगी।उन्हें ने सभी से आव्हान किया कि अपने जीवन का प्रतिदिन एक घण्टा किसी भी तालाब, बावडी, नदी एवं नालों पर श्रम दान कर बिताएं। सिलावट ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने नदी जोडने का सपना देखा था। उस सपने को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पूरा कर रहे है। हरदा एवं नर्मदापुरम जिले के 82 हजार हैक्टेयर के क्षेत्र में तवा नहर से मूंग फसल के लिए पानी दिया जाता है। अब जितनी भी कच्ची नहरें है उन्हें पक्की एवं दुरस्त करने के लिए प्रस्ताव भिजवाएं।

सिवनीमालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा ने कहा कि सिवनीमालवा क्षेत्र को 3 बडी परियोजनाओं की सोगात मिली है। झाडबीडा परियोजना, दौडी झुनकर परियोजना एवं गंजाल मोरंड नदी सिंचाई परियोजना इन परियोजनाओं से सिवनीमालवा क्षेत्र के गांव को सिंचाई के लिए जल की प्राप्ति होगी। सिवनीमालवा विधायक उन्होने सिलावट से आग्रह किया कि ऐसी योजना बनाए जिससे सिवनीमालवा की सारी जमीन सिंचित हो जाए। जहां सीपेज की स्थिति है वहां पर नहर का सिमेंटीकरण किया जाए।उन्होने तीखड से धुरगाडा तक सडक निर्माण किए जाने की मांग की। इसके पूर्व प्रीति शुक्ला ने सभी से आवाहन किया कि सभी व्यक्ति नहर, कुंओं , बावडी एवं नालों पर श्रमदान करें। जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता राजा राम मीना ने जल संसाधन विभाग के द्वारा किए जा रहे कार्यो का ब्योरा दिया। विधायक वर्मा एवं एसडीएम प्रतीक राव ने मंत्री सिलावट को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

जल गंगा संवर्धन योजना के तहत दिलाई गई शपथ

पेसा एक्ट योजना में लाभार्थियों के प्रति लापरवाही नहीं बरती जाएगी:राय

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में हर एक जनहित की लाभकारी योजनाओं को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना और जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत के मार्गदर्शन में जमीनी स्तर तक लाभ पहुँचाया जा रहा है। इसी तारतम्य में मंगलवार 08 अप्रैल को जनपद पंचायत केसला के VC रूम में 70+ आयुष्मान कार्ड / जल गंगा संवर्धन योजना पेंशन सत्यापन एवं अन्य विषय पर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

सीईओ सतीश चंद्र अग्रवाल द्वारा बैठक के दौरान उपस्थित सभी सचिव और जी आर एस से कार्यों को समय से पूरा करने के लिए बताया साथ ही जिला पंचायत परियोजना अधिकारी योगेन्द्र राय द्वारा पैसा एक्ट में हो रहे कार्यों की समीक्षा की एवं सचिवों, जी आर एस और सोसल मोवेलाइजर से बैंक के खातों की जानकारी ली और नए खातों को जल खुलवाने के दिये सख्त आदेश एवं सभी को योजनाओं में कार्यों के प्रति लापरवाही बरतने पर कारवाई करने निर्देश दिए।

बैठक में जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर, पैसा एक्ट से जिला समन्वयक अरविंद धुर्वे शामिल हुए। बैठक के दौरान सहायक परियोजना अधिकारी द्वारा सभी को जल गंगा संवर्धन योजना के कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पादित करने शपथ दिलाई गई।

नर्मदापुरम लघु उद्योग संघ की कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

राज्य सभा सांसद और विधायक को मार्गदर्शक मण्डल में किया शामिल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विगत दिवस उद्योग संघ की बैठक वरिष्ठ समाजसेवी अरुण दीक्षित की अध्यक्षता में संपन्न हुई. सर्वसम्मति से निर्णय अनुसार मार्गदर्शक मंडल में राज्यसभा सदस्य श्रीमती माया नारोलिया सांसद दर्शन सिंह एवं विधायक डॉ सीता शरण शर्मा के साथ ही संरक्षक मंडल में अरुण दीक्षित योगेश पांडे मुकेश श्रीवास्तव एलके गुप्ता को रखा गया. संगठन के विस्तार अनुसार निम्न पदाधिकारी निर्वाचित किए गए अध्यक्ष पद पर रामनवलानी महासचिव पद पर गौरव सेठ उपाध्यक्ष पद पर संजय रिछारिया रमेश साहू विकास चोकसे कोषाध्यक्ष पद पर प्रदीप सैनी सहायक कोषाध्यापक पर अतुल गोर संगठन मंत्री घनश्याम आहूजा सह सचिव पद पर इमरान खान प्रवक्ता पद पर सत्यम तिवारी कार्यालय प्रभारी पद पर दीपक शर्मा प्रचार मंत्री मनीष चौहान एवं वरिष्ठ कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में बली मोहम्मद मनीष नवलानी राजू राव किशनचंद शेर आनंद के साथ शेष उद्योगपति कार्यकारिणी के सदस्य बनाए गए इसके साथ ही एक समन्वय समिति बनाई गई है जो शासन प्रशासन एवं उद्योग के बीच कार्य करते हुए उद्योगपतियों को समय-समय पर दिए गए निर्णय से अवगत कराती रहेगी बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने उद्योगविकास आपसी समन्वय का संकल्प लिया.

मेट्रो एंकर ग्राम मनवाड़ा, मकोडिया, घूमर देव, खुटवासा, छापरखेड़ा आदि में पोषण पखवाड़े अंतर्गत हुए कार्यक्रम

पोषण दिवस पर गर्भवती महिलाओं की हुई गोद भराई

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना के सेक्टर सतवासा के ग्राम मनवाड़ा, मकोडिया, घूमर देव, खुटवासा, छापरखेड़ा, धामनी, दतवासा,सोमलवाडा,भड़गचिकली, मातापुर,रतवाड़ा,खल खारदा बगवाड़ा में पोषण पखवाड़े अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। माह के द्वितीय मंगलवार होने के चलते ग्राम मनवाड़ा घूमड़देव खुटवासा सोमलवाडा छापरखेड़ा माता पुरा चिकली में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कर उन्हें पोषण परामर्श दिया गया।

वहीं 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक चलने वाले पोषण पखवाड़े अभियान

अंतर्गत प्रथम दिवस ग्राम बघवाड़ा में रैली का आयोजन किया गया जिसमें आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चे एवं स्कूल के छात्र-छात्राएं शामिल हुए सही पोषण देश रोशन, आंगनबाड़ी जाएंगे अपना वजन कर आएंगे,पोषण ट्रैकर एप बना वरदान घर में बैठे मिल रहा पोषण स्तर का ज्ञान,सात दिन सात क्यारी घर-घर लगाए सब मिलकर पोषण वाटिका न्यारी, पंचवटी से मिले पोषण जिससे हो देश रोशन बने सब तंदुरुस्त जब घर पर हो मीठा नीम नींबू अमरुद ,आयरन से भरपूर आहार संग़ विटामिन सी का आहार जरूरी है बच्चों किशोरी महिलाओं से लाना एनीमिया में दूरी है पालक चुकंदर अनार खाओ एनीमिया को दूर भगाओ, मां शिशु का रखें ध्यान गर्भावस्था में तीन जांच का अनिवार्य विधान जैसे जिंगल एवं नारों के साथ पोषण रैली का आयोजन किया गया जो की कछार मोहल्ला से लेकर आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 तक निकाली गई। केंद्र बगवाड़ा एक में गर्भवती अंजलि मनीष की गोद भराई विधायक जनप्रतिनिधि श्रीमती अनीता वर्मा के द्वारा की गई केंद्र पर एएनएम उर्मिला द्वारा आयरन एवं कैल्शियम की दावों के सेवन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया वहीं

पर्यवेक्षक महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती सुचित्रा राजावत द्वारा साप्ताहिक टेक होम राशन के उपयोग के संबंध में विस्तार से बताया गया। ग्राम में स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन करते हुए शिशु एवं माता में संक्रमण को रोकने पर चर्चा की गई स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से महिलाओं की वजन एवं ऊंचाई तथा हीमोग्लोबिन की जांच कर पोषण ट्रैक्टर में प्रविष्टि की गई इसके साथ ही उपस्थित महिलाओं और हितग्राहियों को पोषण ट्रैकर एप डाउनलोड करवाया गया तथा उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया केंद्र पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सोनिका गोहिया, दुर्गा रघुवंशी, राखी लोवंशी सहायिका संगीता कलोशीय सुनैना असवारे, क्षमा आशा कार्यकर्ता ग्राम की अन्य प्रतिष्ठित तथा अन्य महिलाएं उपस्थिति रही।

महामाई के दरबार में 30 फीट ऊंचे रावण वध के दौरान दिखे आकर्षक सतरंगी आतिशबाजी के नजारे

श्रीराम के राज्याभिषेक से माता महामाई मेला का समापन, विधायक शर्मा ने जताया आभार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

चैत्र नवरात्रि के अवसर पर श्री महामाई माता (डॉंगवाली) के जागृत दरबार में चल रहे 15 दिवसीय विशाल मेले का सोमवार को रावण दहन एवं श्रीराम राज्याभिषेक के साथ ही मेले का समापन भी हो गया। रामलीला में रावण वध तथा रामलीला मंच के सामने प्रांगण में बनाए गए तीस फिट ऊंचे रावण के दहन के उपरांत अयोध्या लौटे भगवान राम का गुरु वशिष्ठ द्वारा राज्याभिषेक किया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्य पंडित शुभम शर्मा ने भगवान राम लक्ष्मण भरत शत्रुध्न,हनुमान सहित राजदरबार में विराजे स्वरूपों का पूजन कर आरती उतारी। लगातार पंद्रह दिनों से मैया के दरबार में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से अपनी सेवाएं देने वालों का विधायक उमाकांत शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

रावण दहन पर हुई आकर्षक आतिशबाजी

समापन लीला में देर रात हुए रावण वध की लीला में देर रात्रि रावण का दहन हुआ। इस अवसर पर राघोगढ़ की प्रसिद्ध आतिशबाजी से करीब एक धंटे तक रंग बिरंगी आकर्षक आतिशबाजी के नजारे से महामाई के दरबार में पधारे हजारों लोग साक्षी बने। रात करीब दो बजे रामलीला पंडाल के सामने केथन बांध किनारे दहन के लिए बनाए गए रावण का जब राम जी वध कर रहे थे उस समय भी सम्पूर्ण महामाई का प्रांगण महिला पुरुषों से खचाखच भरा हुआ था इस दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ी सुरक्षा भी रखी गई थी।

राजसी वस्त्र आभूषणों से सुशोभित भगवान राम का हुआ रामराज्याभिषेक

रात करीब तीन बजे बजे रावण दहन के उपरांत बग्घी में बैठकर रामलीला मंच पर बने आयोध्या के राज दरबार मे सन्यासी भेष में पहुँचे श्री राम ने माता सीता और तीनों भाइयों सहित राजसी भेषभूषा में राजसिंहासन पर विराजे। गुरु वशिष्ठ ओर व्यास जी द्वारा उच्चारित वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महामाई माता मंदिर के प्रधान पुजारी के ज्येष्ठ पुत्र आचार्य शुभम शर्मा ने श्री राम जानकी भरत लक्ष्मण हनुमान जी का शाल श्रीफल एवं मोगरे की माला ओर भेंट अर्पित कर पूजन किया। इस दौरान खचाखच भरे पंडाल में लीला को देख रही जनता जनार्दन श्री राम के जयकारे के उद्घोष करते दिखाई दिए।

नतमस्तक होकर जताया आभार

आयोजन के पूर्ण समापन पर क्षेत्रीय विधायक और महामाई सेवा समिति के संरक्षक उमाकान्त शर्मा ने जनता जनार्दन को महामाई के इस भव्य और दिव्य आयोजन की सफलता का श्रेय देते हुए कहा कि यह जनता का प्यार स्नेह और विश्वास ही है कि वह हमारी समिति के बुलाबे पर बड़ी दूर दूर से अपने साधनों से चली आती है। सम्पन्न आयोजन के दौरान रीवा से पधारे माँ महामाई के भक्त तथा पूर्व में संस्कृति विभाग में रहकर साहित्य की सेवा करने वाले 90 वर्षीय अवदेश पांडे का भी समिति के सदस्यों ने सम्मान किया।

नरवाई में आग लगाने वालों पर करवाई नहीं होने से हो रहा है नुकसान

पर्यावरण को कर रहे प्रदूषित अमदान ,परसौर में लगी आग कलेक्टर बोले-करेंगे कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पर्यावरण को दूषित होने से बचने के लिए लगातार सरकार के द्वारा कदम उठाए जा रहे हैं। पर्यावरण प्रेमी भी लगातार प्रयास कर रहे हैं इसके अलावा जागरूकता अभियान में चलाया जा रहे है इनकी मेहनत पर आग लगने वाले पानी फिर रहे हैं। इतने प्रयासों के बाद भी आग लगाने के मामले कम होने की जगह पर प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं इसके चलते सैकड़ों बीघा फसल जल कर नष्ट होने से किसानों को लाखों का नुकसान भी हो चुका है । कई बार आर्थिक और जान माल की हनि भी इसकी वजह से हो रहा है गांव और शहर में भी नरवाई की आग फलने से नुकसान हो रहा है। इसको बुजने में भी प्रशासन कड़ी में मस्कत करनी पड़ती है सुबह से लेकर रात तक फायर ब्रिगेड गाड़ी इस गांव से उस गांव दौड़ती रहती है। इस पर रोक लगाने के लिए प्रशासन के अधिकारियों को इस तरह से आग लगाने वालों पर काड़ी कार्रवाई करनी होगी तभी यह लोग मानेंगे नहीं तो इनका कहर इसी तरह जारी रहेगा नरवाई जलाने से प्रदूषण भी प्रभावित हो रहा है फिर भी ऐसा करने वालों पर प्रशासन के अधिकारी अभी तक प्रतिबंध कार्रवाई करने के आदेश जारी नहीं होने से मामले रोक नहीं रहे हैं बेखौफ होकर कुछ लोग इस काम को कर रहे हैं। इसकी वजह से कई किसानों की फसल इसकी चपेट में आ रही है ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में भी इस आग के कारण कई बार नुकसान हो चुका है किसने की लाखों की फसल भी इसकी भेंट चढ़ गई है। इसके बाद भी कुछ स्वार्थी लोग मन नहीं लगातार नरवाई में आग लगाने की घटनाएं हो आ रही है।

दो गांवों में फिर लगाई आग

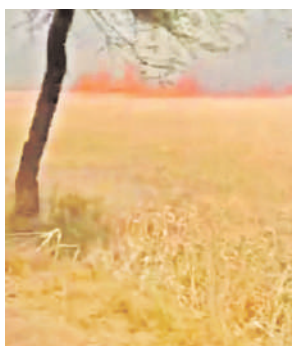

मंगलवार को अमढान परसौर में खेत में खड़ी नरवाई किसी ने आग लगा दी इसकी आग ग्राम अमढान में रोड पर बने घरों के आसपास पहुंच गई कड़ी मशक्कत बाद आग पर काबू पाया गया ग्रामीणों ने पलाऊ चलकर इसको फैलने से रोका का काम किया इसके अलावा फायर गाड़ी को भी बुलाया उसकी सहायता से इसको बुझाया गया प्रतिदिन इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं ।इसके बाद भी नरवाई जलाने वाले वाले मन नहीं रहे हैं। जब तक ऐसा करने वालों पर प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा धरातल पर ठोस कार्रवाई नहीं की जाएगी तब तक बदलाव नहीं होगा नरवाई में आग लगने से जहां जमीन की और उर्वरक क्षमता भी काम हो रही है किसानों हितेषी मित्र कीट भी आग इसकी चपेट में आने से मार जाते हैं।

गौ माता की भी नहीं कर रहे हैं चिंता

फसल कटाई के बाद खेतों में खड़ी नरवाई मवेशियों को चार भूसा के दी उपयोग की जाती है पर उसको जला देने से मवेशियों के सामने हर साल समस्या उत्पन्न हो रही है आग लगने से प्रदूषण भी दूषित होता है आर्थिक के साथ जनहानि भी कई बार इसके कारण हो रही है फिर भी नरवाई में आग लगाने वाले इस काम को करने में लगे हुए हैं। करेंगे जागरूक रोशन सिंह कलेक्टर नरवाई जलाने की वजह से पूरे जिले में हर दिन नुकसान होने की सूचना सामने आ रही है ।

बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे नन्ही देवरी के निवासी, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खमरिया कला में शामिल आदिवासी टोला नन्ही देवरी के ग्राम वासी बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं शासन प्रशासन द्वारा आम जनता के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित की जा रही है लेकिन इन योजनाओं का लाभ इस ग्राम वासियों को नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण ग्राम वासियों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है नन्ही देवरी के ग्रामवासीयों के समक्ष सबसे बड़ी समस्या पानी को लेकर है क्योंकि ग्राम में जितने भी हेड पंप लगे हुए हैं वह सभी बंद पड़े हुए हैं जिनके कारण ग्रामवासी 2 किलोमीटर दूर जाकर पानी लाने को मजबूर हैं जबकि पास के ही ग्रामों मैं नल जल योजना का विस्तार किया गया है लेकिन इस आदिवासी टोला में नल जल योजना का विस्तार नहीं किया गया जिसके कारण पानी की परेशानी अपना विकराट रूप धारण कर रही है पानी की परेशानी को लेकर ग्रामवासी माता बहनों के साथ तहसील कार्यालय तेंदूखेड़ा पहुंचकर अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें मांग की गई की पानी की परेशानी जल्द हल नहीं की जाती है तो समूचे ग्रामवासियों द्वारा आंदोलन किया जाएगा क्योंकि पानी के कारण मवेशियों के हालत भी ठीक नहीं है सैकड़ो की संख्या में पानी न होने के कारण मवेशी अपना दम तोड़ चुकी हैं ग्राम वासियों का कहना है कि हमारे ग्राम में कोई भी शासन प्रशासन की योजना का लाभ हम लोगों को नहीं दिया जा रहा है जिसके कारण हमारा ग्राम बहुत ही पिछड़ा है जय आदिवासी युवा शक्ति जयस के प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोरते ने बताया कि जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा के अंतर्गत आने वाली विभिन्न ग्रामों में गर्मी के मौसम में पानी की बहुत परेशानी होती है जबकि संबंध में शासन प्रशासन को विभिन्न बार अवगत भी कराया गया है इसके बाद भी समस्या हल नहीं हो रही है शासन प्रशासन द्वारा समय पर पानी की समस्या को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है इसलिए यह समस्या अपना विकराट रूप धारण कर रही है उन्होंने बताया कि ग्राम नन्ही देवरी में जल्द पानी की व्यवस्था नहीं होती है तो हम सभी क्षेत्रवासी शांत नहीं बैठेंगे इस अवसर पर गोकल प्रसाद मरावी, राजकुमार धुर्वे, फूल सिंह, गिरधारी परस्ते,अशोक, गुलाब रानी, प्रकाश रानी, कमलेश रानी, रोशनी, माया रानी, नेहा, दुर्गाप्रसाद, इन्दु, कमोद सिंह सहित भारी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित थे।

मंगल वेयरहाउस में भूसे के पास सरकारी खरीदारी, हो सकता है कोई हादसा

सिरोंज। सरकारी सिस्टम की लचारी कहे या फिर इन सब की मिली भगत से ही नियमों को तक पर रखकर सरकारी खरीदी का काम हो रहा है। हैरानी की बात तो है कि यह कार्य नगर से 3 किलोमीटरकी दूरी स्थित है मंगल वेयरहाउस पर करवाया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर खरीदी हो रही है इसके पास में ही भूसे की खरीदी हो रही है भूसे के बड़े-बड़े टल लगे हुए हैं। जिसके कारण कभी-भी कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है शायद जिम्मेदार विभाग के अधिकारी किसी तरह की घटना का इंतजार कररहा है उसके बाद ही है कुंभकरण की नींद में जागेंगे और कार्रवाई की सोचेंगे । अभी हालात यहां पर ऐसे ही बने हुए हैं प्रत्येक दिन आग लगने की मामले सामने आ रहा है इनकी लापरवाही किसी भी दिन बड़ी महंगी सकती है शायद इनको केवल अपना मतलब सिद्ध करना है और आम जनता की कोई चिंता नहीं है तभी तो आंखें बंद करके उसको काम को करवा रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई के नाम पर खाना पूर्ति कर रहे हैं जबकि इस तरह की लापरवाही के कारण पिछले वर्ष बड़ी घटना होते-होते टल गई थी पथरिया कें पास में बने वेयरहाउस पर समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी हो रही थी यहां पर भी इसी तरह भूसा खरीद करके उसके ढेर लग रखे थे भूसे में आग लगने के करण यहां के हालत इतने ज्यादा खराब हो गए थे कि एक साथ 10 फायर गाड़ी यहां पर खड़ी हुई थी फिर भी आग पर काबू नहीं पाया जा रहा था।

ऑटो की टक्कर से बाइक सवार घायल एक जबलपुर रेफर एक का इलाज जारी

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत तारादेही मार्ग पर धनगौर के समीप एक तेज रफ्तार आटों वाहन के चालक ने लापरवाही से आटों चलाते हुए एक बाइक को टक्कर मार दी है इस हादसे में दो लोग गंभीर रूप घायल हो गए हैं जिन्हें राहगीरों द्वारा इलाज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जहां से एक युवक को जबलपुर रेफर किया गया है घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार अर्जुन पिता टीकाराम यादव उम्र 25 वर्ष निवासी शिवलाल खमरिया हल्ले पिता देवराम यादल उम्र 28 वर्ष निवासी शिवलाल खमरिया थाना तारादेही के निवासी हैं जो तेन्दूखेड़ा से वापस अपने घर शिवलाल खमरिया जा रहे थे लेकिन सामने से आ रहे आटों चालक ने टक्कर मार दी हादसे में गंभीर रूप से घायल अर्जुन पिता टीकाराम यादव को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है

बाइक सवार को बचाने के चक्कर में पलटा 407 वाहन

मंगलवार को तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सैलवाड़ा तेन्दूखेड़ा मार्ग पर एक 407 वाहन बाइक को बचाने के चक्कर में अंधी मोड़ पर अनियंत्रित होकर सड़क छोड़कर खेत में जा पलटा इस हादसे में सभी सुरक्षित है घटना के संबंध में मिली जानकारी 27 मील और महगवाखुर्द के बीच यह हादसा हुआ है सैलवाडा निवासी छुट्टन यादव अपनी 407 से तेन्दूखेड़ा मंडी अनाज लेकर आया था जहां वापिस घर जाते समय अंधा मोड़ पर सामने से आ रहे बाइक सवार को बचाने के चक्कर में 407 वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क छोड़ खेत में जाकर पलट गया घटना में किसी को चोट नहीं आई वाहन चालक ने बताया कि सामने से आ रही बाइक को बचाने के चक्कर में वाहन पलट गया घटना में सवार किसी को कोई चोट नहीं आई मगर वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

मेट्रो एंकर स्वास्थ्य के लिए है लाभप्रद, जानकारों के अनुसार गर्मियों में बेल का सेवन करने से संक्रमण का खतरा होता है कम

गांव से लेकर शहरों तक में आई बेल की बहार, पेड़ों में लदे फल और फूल

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

बेल के पेड़ को धार्मिक दृष्टि से बहुत उपयोगी माना जाता है साथ ही इसका फल स्वास्थ्य के लिए भी काफी लाभप्रद होता है इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहर तक में बेल के फल की बहार है गांव के खेतों में और शहर में लोगों के घरों में लगे बेल के पेड़ फूलों से लदे हुए हैं जो लोगों को अपनी ओर अकर्षित कर रहे हैं आयुर्वेद में बेल को स्वास्थ्य के लिए काफी लाभप्रद माना गया है आयुर्वेद के अनुसार पका बेल फल मधुमेह रुचिकर पाचक तथा शीतल माना गया है ।

जानकारों की माने तो बेल फल गर्मियों के दिनों में बहुत ही फायदेमंद है कच्चा बेलफल रुखा पाचक वात-कप शूलनाशक व आतों के रोगों में उपयोगी होता है डॉक्टर बताते हैं कि उदर विकारों में बेल फल रामबाण दवा है डॉक्टरों ने अनुसार अधिकांश रोगों की जड़ उदर विकार ही है गर्मियों में बेल का फल सेवन करने से

बारिश में होने वाली बीमारियों का खतरा कम हो जाता है बेल के सेवन से आंव संग्रहणी बीमारी को लाभ मिलता है गर्मियों में प्रायः अतिसार की वजह से दस्त लगने लगते हैं ऐसे में कच्चे बेल फल को आग में भून कर रोगी को खिलाना फायदा करता है लू लगने पर मिश्री मिलाकर बेल का शरबत पिलाने से फौरन राहत मिलती है दसक पहले तेन्दूखेड़ा वन परिक्षेत्र के जंगलों में जंगली बेल बहतायत मात्रा में हुआ करते थे जिसे आदिवासी लोग इस फल को पकने के बाद बाजारों में बेचते थे जिसमें अच्छी आय होती थी लेकिन वनों से पेड़ों की अधाधुंध हुई कटाई का असर बेल के पेड़ों पर भी पड़ा है दूसरी ओर गर्मियों के सीजन में हर वर्ष जंगलों में लगने वाली आग से भी वृक्ष लगभग विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गए हैं ।

व्यापारी बताते हैं कि क्विंटलों की मात्रा में बेल कटनी दमोह जबलपुर नरसिंहपुर सागर छतरपुर एवं अन्य जिलों में मालवाहकों से भेजा जाता था लेकिन अब यह काम पूरी तरह से बंद हो चुका है हा गावों में जरूर बेल मिल जाते हैं लेकिन जंगल के बेल की अच्छी कीमत होती थी जो गांव के बेल में नहीं मिलती थी।

वॉटसन बोले, आईपीएल का यह सप्ताह शानदार होगा, बुमराह की वापसी से मुंबई को सपोर्ट मिलेगा; 13 को एमआई व डीसी के बीच मुकाबला

नईदिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ी और जियोस्टार एक्सपर्ट शेन वॉटसन को लगता है ढ्ढक्क2025 का यह सप्ताह काफी शानदार होने वाला है। दरअसल, इस सप्ताह कई राइवल मैच होने है। 12 अप्रैल को गुजरात का सामना लखनऊ से और 13 अप्रैल को मुंबई का सामना दिल्ली से होगा। शेन वॉटसन ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मेरे लिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच एक शानदार मुकाबला होने वाला है। दिल्ली कैपिटल्स के पास काफी अच्छी टीम है। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी से मुंबई इंडियंस को सपोर्ट मिलेगा, जिसकी उन्हें जरूरत थी। इसलिए मुझे लगता है कि यह इस राइवल वीक के बेस्ट मुकाबलों में से एक होने वाला है। उन्होंने आगे कहा, लीग में इस समय जब बात लखनऊ जायंट्स और गुजरात टाइटंस की हो रही है तो तज्ञ आग उगल रही है। उन्होंने अपने आखिरी मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बहुत अच्छा खेला। टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इसलिए मुझे लगा कि लीग की शुरुआत से पहले तज्ञ टीम में कुछ कमियां रही होंगी, लेकिन टीम ने हैदराबाद के खिलाफ इस सीजन पहली बार वॉशिंगटन सुंदर को खिलाया, वे वास्तव में अपनी टीम के लिए काफी वैल्युएबल प्लेयर साबित होंगे। जीटी के वॉशिंगटन सुंदर ने इस सीजन अपना पहला मुकाबला 6 अप्रैल को हैदराबाद के खिलाफ खेला। इस मैच में उन्होंने 49 रन बनाए थे। जीटी के वॉशिंगटन सुंदर ने इस सीजन अपना पहला मुकाबला 6 अप्रैल को हैदराबाद के खिलाफ खेला। इस मैच में उन्होंने 49 रन बनाए थे।

अक्षर पटेल शानदार लीडर

वॉटसन ने कहा, जब बात इस सीजन किसी बेहतरीन खिलाड़ी की आती है, तो मैं अक्षर पटेल का नाम लूंगा। मुझे लगता है कि वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक लीडर के रूप में शानदार काम कर रहे हैं। बल्लेबाजी और गेंदबाजी के नजरिए से भी अगर एमआई के खिलाफ उस बड़े मुकाबले में उनका प्रदर्शन शानदार रहा तो इसमें हैरान होने वाली बात नहीं होगी। चोट के कारण बुमराह सीजन के शुरुआती 4 मैच नहीं खेल सके थे। उन्होंने सोमवार को बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबले से वापसी की। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबले से इस सीजन वापसी कर लिए हैं। बुमराह को पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कमर पर चोट लगी थी, जिस वजह से वे चैंपियंस ट्रॉफी और शुरूआती मैच नहीं खेल सके थे। मुंबई इंडियंस दिल्ली कैपिटल्स के बीच एक मजबूत राइवलरी है,

जिसमें दोनों टीमों के बीच कई रोमांचक मुकाबले हुए हैं, जो आखिरी गेंद तक मैच गया है। दोनों के बीच 35 मैच खेले गए हैं। इनमें 19 बार जीत हासिल की है, जबकि 16 बार डीसी जीती।

आईपीएल : सिराज-हसरंगा और सुदर्शन-सैमसन पर रहेगी नजर

दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात का सामना आज राजस्थान से

अहमदाबाद, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में आज गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। सीजन का 23वां मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। 2022 की चैंपियन गुजरात 4 में से 3 जीत और 1 हार के साथ पॉइंटस टेबल में दूसरे नंबर पर है। दूसरी ओर, 2008 की विजेता राजस्थान ने 18वें सीजन में अब तक 4 मैच खेले, 2 जीते और 2 हारे हैं।

वनिंदू हसरंगा राजस्थान के टॉप विकेट टेकर

राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज वनिंदू हसरंगा टीम के टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने अपने 3 मैचों में कुल 6 विकेट लिए हैं। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आखिरी मैच में 35 रन देकर 4 विकेट हासिल किए थे। बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन ने टीम के लिए 4 मैचों में सबसे ज्यादा 137 रन बनाए हैं। उन्होंने इस सीजन एक अर्धशतक लगाया है। उनके बाद ध्रुव जुरेल 4 मैचों में 119 रन बना चुके हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच बैटिंग फ्रेंडली है। यहां अब तक ढ्ढक्क के 37 मैच खेले गए हैं। 17 मैचों में पहली इनिंग में बैटिंग करने वाली टीम और 20 में चेज करने वाली टीम को जीत मिली। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर

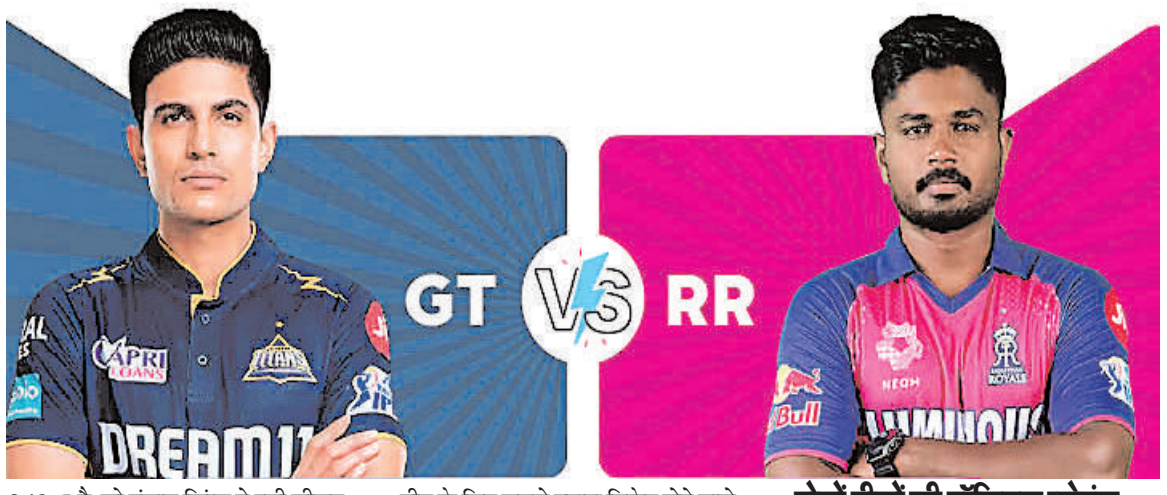

243/5 है, जो पंजाब किंग्स ने इसी सीजन गुजरात के खिलाफ बनाया था। यह मुकाबला पंजाब ने 11 रन से जीता था। यहां इस सीजन दो मैच खेले गए हैं। दोनों में पहले बैटिंग करने वाली टीम को जीत मिली है।

सुदर्शन ने जीटी के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए

गुजरात के टॉप स्कोरर साई सुदर्शन ने इस सीजन 2 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने मुंबई के खिलाफ 63 और पंजाब के खिलाफ 74 रन की पारी खेली थी। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 4 मैचों में 9 विकेट झटके हैं। वे टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी हैं।

हेड टु हेड में गुजरात आगे

आईपीएल में दोनों टीमों के बीच अब तक 6 मैच खेले गए। इनमें गुजरात ने 5 और राजस्थान ने 1 मैच जीता। जयपुर में दोनों के बीच 2 मैच खेले गए। दोनों ने 1-1 जीता है। अहमदाबाद में मैच वाले दिन काफी ज्यादा गर्मी रहेगी। बुधवार को यहां का टेम्परेचर 27 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। बारिश की बिल्कुल संभावना नहीं है। हवा की रफ्तार 13 किमी प्रति घंटा रहेगी।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, राशिद खान, साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, शेरफन रदरफोर्ड।

राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, नीतीश राणा, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, वनिंदू हसरंगा, जोफ्रा आर्चर, महीश तीक्षणा, युद्धवीर सिंह, संदीप शर्मा, कुमार कार्तिकेय।

गेंद पर खड़े होते हैं खिलाड़ी तो अब मिलेगा यलो कार्ड

फुटबॉलः ब्राजील फेडरेशन का नया नियम

रियो डी जिनेरियो. एजेंसी

ब्राजील फुटबॉल फेडरेशन (सीबीएफ) ने एक नया नियम बनाया है, जो खिलाड़ियों को पसंद नहीं आया। दरअसल सीबीएफ ने घोषणा की है कि अगर मैच के दौरान कोई खिलाड़ी गेंद पर खड़ा होता है या कोई मूविंग स्किल दिखाता है तो उसे सजा के तौर पर यलो कार्ड दिखाया जाएगा। साथ ही प्रतिद्वंद्वी टीम को फ्री किक दी जाएगी। ब्राजील के कोरिंथियंस के फॉरवर्ड मेम्फिस डिपे ने सीबीएफ के इस फैसले की आलोचना की है। डिपे ने कहा, यह खिलाड़ियों और खेल भावना के लिहाज से सही नियम नहीं है। एक खिलाड़ी अपने स्किल के हिसाब से खेलता है। इसमें कोई नियम आडे नहीं आना चाहिए।

यह है मामला : दरअसल सीबीएफ ने यह फैसला 28 मार्च को पाल्मेरास और कोरिंथियंस के बीच पॉलिस्टा ए-1 फाइनल मैच के दौरान डिपे के मूव के बाद लिया। दरअसल डिपे ने बॉक्स में

गेंद को क्रॉस करने का नाटक किया और फिर कॉर्नर फ्लैग के पास गेंद पर खड़े होकर मूविंग स्किल दिखाई। डिपे की इस हरकत से पाल्मेरास के खिलाड़ी भड़क गए और दोनों टीमों के बीच हाथापाई तक की नौबत आ गई थी। ब्राजील फेडरेशन ने इस मैच के बाद यह फैसला किया, हालांकि कई खिलाड़ी इसका विरोध कर रहे हैं।

8 मैचों में एक भी गोल नहीं कर पाया लीसेस्टर सिटी

जैकब मर्फी के शानदार प्रदर्शन से न्यूकैसल यूनाइटेड ने इंगलिश प्रीमियर लीग के मैच में लीसेस्टर सिटी को 3-0 से हरा दिया। न्यूकैसल की ओर से इस मैच में जैकब ने नौ मिनट के भीतर दो गोल किए। जैकब ने मैच के दूसरे व 11वें मिनट में गोल किए, जबकि टीम का तीसरा गोल हार्वे बर्नेस ने 34वें मिनट में दागा। प्रीमियर लीग में यह लगातार आठवां मैच है, जिसमें लीसेस्टर सिटी एक भी गोल नहीं कर पाया है। इससे पहले 1995 के सीजन में क्रिस्टल पैलेस ने लगातार नौ मैचों में कोई गोल नहीं किया था।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने से निराश हैं अभिनेत्री सोहा अली खान

बीसीसीआई और ईसीबी ने कथित तौर पर पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने के फैसले पर सोहा अली खान ने निराशा जताई है। इससे पहले अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने भी इस फैसले पर अपने विचार रखे थे। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के पिता मंसूर अली खान पटौदी अपने दौर के मशहूर क्रिकेटरों में से एक थे। हाल ही उनकी पत्नी अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने निराशा जताई, क्योंकि बीसीसीआई और ईसीबी ने कथित तौर पर पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने का फैसला किया है। यह भारत और इंग्लैंड के बीच एक टेस्ट सीरीज है। अब इस मामले पर उनकी बेटी सोहा अली खान ने भी अपनी निराशा जताई और कहा कि उनके पिता का शुरुआती दिनों में एक अंतरराष्ट्रीय भारतीय क्रिकेट टीम बनाने में महत्वपूर्ण योगदान था। सोहा अली खान ने जूम से बात करते हुए कहा, हमारे लिए यह निराशाजनक है कि वो पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने पर विचार कर रहे हैं या उन्होंने ऐसा करने का फैसला किया है। मुझे लगता है कि मेरे पिता का भारतीय क्रिकेट में बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने

भारतीयों में एकता और गर्व की भावना पैदा की। उन्होंने पहला विदेशी टेस्ट जीता और इस तरह की चीजें कीं। मुझे लगता है कि उन्हें किसी ना किसी रूप में, किसी ना किसी तरह से याद किया जाना चाहिए और उम्मीद है कि बीसीसीआई ऐसा करने के किसी और तरीके पर विचार करेगा। इससे पहले शर्मिला टैगोर ने कहा था कि वह पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने के बीसीसीआई के फैसले से आहत हैं। उन्होंने एक बातचीत में कहा, मैंने उनसे नहीं सुना है, लेकिन ईसीबी ने सैफ को एक पत्र भेजा है कि वे ट्रॉफी को रिटायर कर रहे हैं। अगर बीसीसीआई टाइगर की विरासत को याद रखना चाहता है या नहीं, तो यह उन्हें तय करना है। पटौदी ट्रॉफी का नाम इफ्तिखार अली खान पटौदी के नाम पर रखा गया है। यह सीरीज भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जाती है, क्योंकि उन्होंने तीन मौकों पर दोनों टीमों का प्रतिनिधित्व किया था।

फर्जी निकली 'किंग' में दीपिका के होने की खबर

पिछले करीब तीन दिनों से ऐसे दावे किए जा रहे हैं कि शाहरुख खान की आगामी फिल्म किंग में दीपिका पादुकोण की एंट्री हो गई है। फैंस इसे लेकर खुशी मनाने लगे। मगर, अब जो जानकारी आई है वो ये है कि खबर एकदम फर्जी है। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी परदे पर हमेशा कमाल करती है। फैंस के लिए तो यह मानो ट्रीट होती है, वहीं दीपिका के साथ शाहरुख की जोड़ी हो तो बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता पक्की सी हो जाती है। किंग खान इन दिनों फिल्म किंग को लेकर चर्चा में हैं, जिसके जरिए उनकी बिटिया सुहाना बड़े परदे पर डेब्यू कर रही हैं। पिछले कुछ दिनों से मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि किंग में दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। फैंस इस खबर पर खुशियां मनाने लगे। मगर, सच्चाई ये है कि किंग में दीपिका का मौजूदगी की खबर एकदम फर्जी है। बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग में दीपिका के किरदार को लेकर भी पक्के दावे किए जाने लगे। कहा गया कि वे सुहाना खान की मां की भूमिका में दिखाई देंगी। मगर, इस फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने खुद इन खबरों का खंडन अपने एक ट्वीट से कर दिया है। एक ट्वीट उन्होंने कल सोमवार को साझा किया था। और अब आज मंगलवार 08 अप्रैल को भी एक ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने ज्यादा कुछ नहीं लिखा।

बेटी मालती ने पापा पर लुटाया प्यार तो बोली प्रियंका - पति निक हैं शानदार कलाकार

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ऐसे कपल हैं, जो एक-दूसरे पर प्यार लुटाने और एक-दूसरे की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अब एक बार फिर प्रियंका ने अपने पति निक जोनस की तारीफ की है और उन्हें एक शानदार कलाकार बताया है। प्रियंका निक जोनस के साथ न्यूयॉर्क में 'द लास्ट फाइव इयर्स' के ब्रॉडवे डेब्यू में शामिल हुईं। इस समारोह की कई तस्वीरें अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। साथ ही शो के लिए पति निक की तारीफ भी की है।

प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर साझा की तस्वीरें

प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर समारोह से जुड़ी कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में प्रियंका पति निक जोनस और शो की मुख्य अभिनेत्री एड्रिएन वॉरेन के साथ पोज दे रही हैं। इस दौरान प्रियंका ने पति निक पर प्यार भी लुटाया और उन्हें किस करते हुए भी एक फोटो साझा की है। इस पोस्ट को साझा करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, ब्रॉडवे पर 'द लास्ट फाइव ईयर्स' की ओपनिंग नाइट। वाकई शानदार कलाकारी। बधाई हो निक जोनस और शो की पूरी टीम व क्रू को।

बेटी मालती ने पापा के लिए बनाया पोस्टर

अपनी इस पोस्ट में प्रियंका ने बेटी मालती की एक प्यारी सी तस्वीर भी साझा की, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस तस्वीर में मालती एक पोस्टर बना रही हैं। जो उन्होंने अपने पिता निक जोनस को बधाई देने के लिए बनाया है। प्रियंका ने निक के लिए कार्ड बनाती मालती की ये तस्वीर भी शेयर की। दिल को छू लेने वाली यह तस्वीर कपल की शाम की तस्वीरों में शामिल हो गई और लोगों का दिल जीत रही है। प्रियंका की इस पोस्ट पर निक जोनस ने भी प्रतिक्रिया दी है। निक ने कमेंट सेक्शन में दिल वाला इमोजी बनाकर इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा इन दिनों एसएस राजामौली की आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। पिछले दिनों उन्होंने जयपुर और ओडिशा में शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म में प्रियंका के साथ अभिनेता महेश बाबू प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का नाम फिलहाल अभी 'एसएसएमबी 29' बताया जा रहा है।

मेट्रो बाजार

हल्दीराम के दिल्ली व नागपुर स्थित एफएमसीजी कारोबार का विलय

नईदिल्ली, एजेंसी

हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड (दिल्ली) और हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (नागपुर) के एफएमसीजी कारोबार का विलय हो गया है। नई कंपनी का नाम हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड (एचएसएफपीएल) है। कंपनी के सीईओ ने सोशल मीडिया पर विलय की प्रक्रिया पूरी होने की जानकारी दी है। हल्दीराम की नागपुर और दिल्ली शाखाओं को मिलाकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड नाम कंपनी बनाने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। हल्दीराम के सीईओ कृष्ण कुमार चुटानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर यह जानकारी दी। चुटानी ने सोमवार को लिंक्डइन पर लिखा, हल्दीराम की कहानी में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है और यह एक महत्वपूर्ण अध्याय है।÷ हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड (दिल्ली) और हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (नागपुर) के एफएमसीजी कारोबार अब एक साथ मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड (एचएसएफपीएल) बन गए हैं। चुटानी ने कहा, यह सिर्फ एक विलय नहीं है। यह एक नई शुरुआत है, विरासत, जुनून और भविष्य के लिए एक साझा दृष्टिकोण का एक सार्थक मिलन है। जहाँ कालातीत स्वाद साहसिक विचारों से मिलते हैं, और यहाँ से यात्रा और भी रोमांचक हो जाती है। अब तक की जानकारी के अनुसार, दोनों कंपनियों के विलय को पहले ही निष्पक्ष व्यापार नियामक सीसीआई और राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की संबंधित पीठों से 2023 में विनियामक मंजूरी मिल चुकी है। एचएसएफपीएल में दिल्ली इकाई की हिस्सेदारी 56 प्रतिशत है और बाकी की 44 प्रतिशत हिस्सेदारी नागपुर शाखा के पास है। भारत की सबसे बड़ी पैक्ड स्नैक, मिठाई कंपनी और रेस्तरां संचालक कंपनी से जुड़ा यह अपडेट तीन रणनीतिक निवेशकों- सिंगापुर मुख्यालय वाले वैश्विक निवेश फर्म टेमासेक, अल्फा वेव ग्लोबल और इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (आईएचसी) के साथ साझेदारी की घोषणा के एक सप्ताह बाद सामने आया है।

एक मई से 15 आरआरबी का विलय, हर राज्य में होगा सिर्फ एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

मुंबई, एजेंसी

एक राज्य-एक आरआरबी का प्रस्तावएक मई, 2025 से लागू करने का प्रस्ताव किया है। इसके तहत, 11 राज्यों में 15 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का विलय करके अब प्रत्येक राज्य में केवल एक ही आरआरबी होगा। इससे आरआरबी की संख्या 43 से घटकर 28 हो जाएगी। सरकार ने इस योजना के चौथे चरण के तहत इन बैंकों के विलय की अधिसूचना जारी की है। देश में एक मई, 2025 से एक राज्य-एक आरआरबी का प्रस्ताव लागू हो जाएगा। इसका मतलब है कि हर राज्य में अब सिर्फ एक ही क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) मौजूद होगा। वित्त मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर अमल के लिए उत्तर प्रदेश समेत 11 राज्यों में 15 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के एकीकरण से जुड़ी अधिसूचना जारी कर दी है। आरआरबी के एकीकरण का यह चौथा चरण होगा। इसके पूरा होते ही ऐसे बैंकों की संख्या वर्तमान के 43 से घटकर 28 रह जाएगी। दरअसल, केंद्र ने वित्त वर्ष 2004-05 में आरआरबी के संरचनात्मक एकीकरण की पहल की थी। इसके तहत अब तक तीन चरणों में आरआरबी की संख्या 2020-21 तक 196 से घटकर 43 रह गई थी। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम-1976 की धारा 23ए(1) के तहत 11 राज्यों उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान में मौजूद आरआरबी का एक इकाई में विलय होगा। इस तरह एक राज्य-एक आरआरबी के लक्ष्य को साकार किया जा सकेगा।

मिर्गी के दौरों से परेशान महिला ने कीटनाशक पीकर दे दी जान

शादी के कुछ दिन बाद ही पति ने छोड़ दिया था

भोपाल। नजीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम बागसी में मिर्गी के दौरों से परेशान महिला ने कीटनाशक दवा पीकर आत्महत्या कर ली। दो अप्रैल को उन्हें बेहोशी की हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान सोमवार को उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है। एसआई गयाराम शाक्य ने बताया कि ग्राम बागसी निवासी गीता बाई (49) की शादी कई साल पहले हुई थी। मिर्गी के दौरे आने के कारण शादी के कुछ समय बाद ही पति ने गीता बाई को छोड़ दिया था। तभी से वह अपने मायके बागसी गांव में रह रही थी। विगत दो अप्रैल की दोपहर गीता बाई ने घर में रखा कीटनाशक पदार्थ पी लिया। हालत बिगडऩे पर महिला ने अपने परिजनों को कीटनाशक पीने की बात बताई। बेहोशी की हालत में परिजनों ने गीता बाई को जीवनदान अस्पताल में भर्ती कराया था। सोमवार दोपहर महिला की मौत हो गई। एसआई शाक्य ने बताया कि महिला के मृत्युपूर्व बयान नहीं हो सके थे। पिता व भाई ने बताया कि वह मंदबुद्धि थी और मिर्गी के दौरों से परेशान आ गई थी। दौरा पडऩे पर वह दो-दो घंटे बेहोश रहती थी।

रिटायर्ड अधिकारी के घर लाखों की चोरी, कैमरे में कैद हुए चोर

अष्टमी पूजन के लिए दमोह गए थे फरियादी

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र स्थित सनखेड़ी इलाके में बीएसएनएल के रिटायर्ड अधिकारी के सूने मकान पर धावा बोलकर अज्ञात चोर सोने-चांदी के जेवरात व 70 हजार रुपए नगदी समेत लाखों रुपए के माल पर हाथ साफ कर गए। कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में चार बदमाश वारदात को अंजाम देकर घर से बाहर निकलते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर हुलिए के आधार पर खोजबीन शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक रायल विला सनखेड़ी निवासी पवन कुमार खरे (60) भारतीय दूरसंचार निगम लिमिटेड के रिटायर्ड अधिकारी हैं। पिछले दिनों वह अष्टमी की पूजा के लिए पटेरा जिला दमोह चले गए थे। अगले दिन उन्हें सूचना मिली कि उनके मकान का ताला टूटा हुआ है। घर पहुंचकर देखा तो मेनगेट का ताला टूटा मिला। कमरे में रखी अलमारी का ताला भी टूटा हुआ था। चैक करने पर पता चला कि अज्ञात बदमाश अलमारी का लॉकर तोड़कर करीब 70 हजार रुपए नगद व सोने-चांदी के जेवरात समेत लाखों रुपए के माल पर हाथ साफ कर गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किए तो चार अज्ञात बदमाश वारदात को अंजाम देकर घर से निकलते दिखाई दे रहे हैं। बदमाशों ने पड़ोस के घर में भी चोरी करने का प्रयास किया लेकिन घर के लोगों की नींद खुलने पर वह चोरी नहीं कर सके। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

दुकान के काउंटर से 25 हजार रुपए का मोबाइल हुआ चोरी

अलग-अलग थानों में वारदातें, मामले दर्ज

भोपाल। कटारा हिल्स इलाके में एक दुकान के काउंटर पर रखा 25 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन चोरी हो गया। इधर टीला जमालपुरा इलाके में एक व्यक्ति के बैग चोरी हो गया। पुलिस के मुताबिक ग्राम बर्राई कटारा हिल्स स्थित रितिक गौर की दुकान से उनका एक मोबाइल फोन चोरी हो गया। वह काउंटर पर मोबाइल रखकर कुछ काम करने लगे थे, तभी किसी ने मोबाइल चोरी कर लिया। इधर टीला जमालपुरा में रहने वाला हेमंत कुमार शाक्या एक महिला अधिकारी के घर साफ-सफाई का काम करता है। उसने अपना बैग शटर के पास लगे ठेले पर रख दिया और काम करने लगा। कुछ देर बाद देखा तो बैग गायब था। बैग के अंदर साढ़े 4 हजार रुपए नकद, एटीएम कार्ड, पेनकार्ड, आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज रखे हुए थे। इसी प्रकार अटल अयूब नगर में रहने वाले मोहम्मद रिजवान अंसारी के घर से चोर नकदी और मोबाइल फोन समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। जबकि परी बाजार शाहजहांनाबाद में रहने वाले दिलीप बागवानी के घर से नल की टोंटी, कपड़े और बर्तन चोरी हो गए। चोरी गए सामान की कीमत 10 हजार रुपए बताई गई है।

मुंडन संस्कार में शामिल होने मनखेड़ा अहमदपुर जा रहे थे

ढलान पर ट्रैक्टर के ब्रेक फेल, पलटी ट्रॉली में महिलाएं व बच्चों समेत 15 घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुनगा-अहमदपुर सीहोर रोड पर ग्राम कलारा के पास मंगलवार सुबह श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई। ट्राली में बच्चे व महिलाओं समेत करीब 25 लोग सवार थे। सभी लोग मुंडन संस्कार के लिए रातातात गांव से मनखेड़ा थाना अहमदपुर जिला सीहोर जा रहे थे। ढलान पर ट्रैक्टर-ट्राली के ब्रेक होने फेल होने से हादसा होना बताया जा रहा है। इसमें 8 महिलाओं व चार बच्चों समेत कुल 15 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा ने बताया कि ग्राम रातातात निवासी छोटू सेन (35) विगत 8 अप्रैल की सुबह अपने बच्चे के मुंडन कार्यक्रम के लिए ट्रैक्टर-ट्राली से मनखेड़ा थाना अहमदपुर जिला सीहोर जा रहे थे। ट्राली में उनके परिवार के सदस्यों समेत करीब 25 लोग सवार थे। इनमें 10 महिलाएं, 10 बच्चे व छह-सात पुरुष बैठे थे। ट्रैक्टर-ट्राली खुद

फाइल फोटो

छोटू सेन चला रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि सुबह करीब साढ़े 11 बजे गुनगा थाना क्षेत्र के कलारा गांव एक किमी पहले ढलान पर ब्रेक नहीं लगने से अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्राली बेकाबू होकर पलट गई। छोटू सेन ने ट्राली रोकने का भरपूर प्रयास किया लेकिन वह कामयाब नहीं हो सका। हादसे में 8 महिलाएं, चार बच्चे व तीन पुरुष घायल हुए हैं। हादसे के सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मदद के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए थे। थोड़ी देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और एंबुलेंस की मदद से घायलों को अलग-अलग अस्पताल के लिए रवाना किया।

ग्रामीणों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में दबे लोगों को निकाला

बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से बच्चे, महिलाएं व पुरुष नीचे दब गए थे। बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने अथक प्रयास के बाद ट्राली के नीचे दबे घायलों को बाहर निकाला। कुछ देर बाद जेसीबी को भी घटनास्थल पर बुलाकर दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर-ट्राली को सड़क से हटा दिया गया। पुलिस का कहना है कि घायलों में कुछ लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

खलिहान में सो रहे किसान के बिस्तर में पेट्रोल छिड़ककर आग लगाई, गंभीर रूप से झुलसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बागसी में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात अज्ञात व्यक्ति ने खलिहान में सो रहे किसान की खटिया में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आगजनी में किसान का चेहरा, गर्दन, सीना व दाहिना हाथ बुरी तरह झुलस गया। आग बुझाने के प्रयास में दोनों हाथ के पंजे भी झुलसे हैं। बताया जा रहा है कि खटिया पर उनका 11 साल का भतीजा भी सो रहा था लेकिन वह बाल-बाल बच गया। गंभीर हालत में किसान को बैरसिया के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक ग्राम बागसी नजीराबाद निवासी ओमप्रकाश गौर (24) खेती-किसानी करता है। गांव के पास ही उनका खलिहान है जहां भैंसे भी बंधती हैं। खलिहान में खेती-किसानी का सामान भी रखा रहता है। विगत छह अप्रैल की रात ओमप्रकाश खलिहान में सोने गए थे। उनके साथ खटिया पर भतीजा नैतिक गौर (11) भी सोया हुआ था। पास ही दूसरी खटिया ओमप्रकाश भाई फूल सिंह सोया था। उसी दौरान विगत 6-7 अप्रैल की दरमियानी रात करीब एक बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने पेट्रोल छिड?कर ओमप्रकाश की खटिया में आग लगा दी। बिस्तर में आग लगने से ओमप्रकाश का माथा, गर्दन, सीना व दाहिना हाथ गंभीर रूप से झुलस गए। आग बुझाने में उसके दोनों हाथ के पंजे भी जल गए। आगजनी में बिस्तर जलकर खाक हो गया। फरियादी की चीख सुनकर फूलसिंह की नींद खुली थी। एसआई गयाराम शाक्य का कहना है कि फरियादी ने किसी पर संदेह व्यक्त नहीं किया है। किसी से रंजिश चलने की बात भी नकारी है। कुछ दूर वेयर हाउस में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं लेकिन खलिहान कैमरों की जद में नहीं आ रहा है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर हमला, 4 आरोपी गिरफ्तार

अड़ीबाजों ने ऑटो चालक को कटर ब्लेड से गोदा, हालत गंभीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित करोंद इलाके में सोमवार देर रात अंग्रेजी शराब की दुकान के पास चार अड़ीबाज बदमाशों ने एक ऑटो चालक से अड़ीबाजी करते हुए मारपीट कर दी और कटर ब्लेड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हत्या का प्रयास व अड़ीबाजी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक दुर्गा नगर निवासी राजू जाटव पुत्र सूरजमल जाटव (28) ऑटो चालक है। सोमवार देर रात करीब 11 बजे वह सवारी छोड?र करोंद स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान पर गया था। वहां उसे करण ठाकुर, चांद नवाब उर्फ बच्चा, कल्लू बच्चा और सुहेल कल्ला मिल गए। चारों आरोपी राजू से शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगे। राजू ने जब पैसे देने से मना किया तो बदमाश गाली-गलौज करने लगे। राजू ने जब विरोध किया तो बदमाशों ने उससे मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान दो बदमाशों ने कटर ब्लेड निकालकर राजू की गर्दन, सिर, हाथ और पीठ पर हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गया।

हमला करने के बाद बदमाश वहां से भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल हो अस्पताल में भर्ती कराया और आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रयास व अड़ीबाजी समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि राजू गंभीर रूप से घायल हुआ है, अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। थाना प्रभारी रूपेश दुबे का कहना है कि आरोपी और घायल युवक आपस में दोस्त हैं। शराब पीने के दौरान पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ है। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनमें से तीन आरोपी ईटखेड़ी के रहने वाले हैं। उनका आपराधिक रिकार्ड भी है।

किशोरी से दुष्कर्म के 4 दोषियों को 10 साल जेल, महिला को आजीवन कारावास

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अनुसूचित जाति की नाबालिक बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले 5 आरोपियों को न्यायालय ने सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) कुमुदिनी पटेल की अदालत ने प्रकरण में आरोपी सुनीता पाल को आजीवन कारावास,आरोपी राकेश यादव को 10 वर्ष का सश्रम कारावास, आरोपी दलपत विश्वकर्मा, शिवनारायण उर्फ राजा एवं दिनेश पाल को धारा 07-07 वर्ष का सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। प्रकरण में शासन द्वारा की ओर से विशेष लोक अभियोजक दिव्या शुक्ला एवं ज्योति कुजूर द्वारा पैरवी की गई है।

यह है पूरा मामला

लोक अभियोजक के अनुसार, 15 जुलाई 2017 को पीडिता अपने पिता के साथ पुलिस थाना निशातपुरा भोपाल मे उपस्थित होकर लिखित शिकायत आवेदन दिया था। पीड़ता ने बताया कि उसके पडोस में सुनीता पाल के नाम की महिला रहती है। सुनीता पाल से अभियोक्त्री को काम दिलवाने का बोला था। काम दिलाने के बहाने से सुनीता पाल ने पीड़ता को बुलाया और जब पीड़ता उसके घर गई तो सुनीता पाल ने उसे राजा पाल नाम के व्यक्ति से मिलवाया और कहा कि राजा के साथ चली जाओ वह तुम्हे काम दिलवायेगा, राजा ने पीड़ता को गांधीनगर मे अपने परिचित के किराये के मकान में ले जाकर उसकी मर्जी के बिना गलत काम किया।

सुनीता पाल ने पीड़ता को धमकी दी, किसी कुछ बताया तो तुम्हे जान से मारवा दूंगी, डर के कारण पीड़ता ने किसी कोई बात नही बताई। इसके बाद सुनीता पाल ने धमकी देकर आरोपी दिनेश पाल, दलपत विश्वकर्मा, राकेश यादव से मिलवाया और तीनो आरोपी 3 तीन के अंतराल मे पीड़ता के साथ गलत काम करते रहे। शिकायत के तीन-चार दिन पहले उसे चक्कर आये, तभी उसकी बहन उसे डॉक्टर के पास लेकर गई। जहॉ डाक्टर द्वारा जॉच के दौरान बताया कि अभियोक्त्री चार माह गर्भ से है। तब उसने सारी घटना अपनी दीदी-जीजा और पिता को बताई और रिपोर्ट दर्ज कराई।

अयोध्या नगर पुलिस की संवेदनशीलता, रास्ता भटकी वृद्धा को परिजनों से मिलाया

भोपाल। अयोध्या नगर इलाके में एक बुजुर्ग महिला रास्ता भटक गई। वह सिलवानी से भोपाल आई थी। पुलिस ने महिला से पूछताछ कर करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद उसे परिजनों तक पहुंचा दिया। जानकारी के अनुसार मंगलवार को सूचना मिली कि एक 70 से 75 साल की एक बुजुर्ग महिला दशहरा मैदान के पास सड़क किनारे बैठी हुई है। सूचना के बाद हेड कांस्टेबल राजेंद्र राजपूत और आशीष श्रीवास मौके पर पहुंचे। पूछताछ करने पर महिला ने अपना नाम कोशबाई बताया, लेकिन घर का पता नहीं बता पा रही थी। काफी मुश्किल के बाद पता चला कि महिला सिलवानी की रहने वाली है और अपनी बेटी और दामाद से मिलने के लिए भोपाल आई है। पुलिस ने सिलवानी से आने वाली बसों का पता लगाने के बाद ड्राइवरों और कंडक्टरों से बात की, जिससे बाद सिलवानी के सरपंच का संपर्क नंबर मिला। वहां से पता चला कि महिला की बेटी और दामाद पिपलानी इलाके में रहते हैं और प्रेस का काम करते हैं। उसके बाद पुलिस ने आधा दर्जन से ज्यादा प्रेस की दुकान वालों से पूछताछ की, जिसके बाद बेटी की दुकान मिल गई। इस दौरान पता चला कि महिला सिलवानी से भोपाल आई थी और रत्नागिरी चौराहे पर बस से उतरी। उसके बाद वह रास्ता भटककर अयोध्या नगर पहुंच गई थी। पुलिस संवेदनशीलता के परिचय देते हुए बुजुर्ग महिला को परिजनों तक सकुशल पहुंचा दिया।

मेट्रो एंकर भोपाल आउटर पर कई वारदातें, एक बदमाश ने मोबाइल लूटकर यात्री को मारीं गिट्टियां

24 घंटे में ट्रेन सवार तीन यात्रियों के मोबाइल लूटे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रेलवे स्टेशन भोपाल के आउटर पर ट्रेन के पायदान पर खड़े यात्रियों से मोबाइल लूट की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बीते 24 घंटों के दौरान अलग-अलग ट्रेनों में सफर कर रहे तीन यात्रियों के मोबाइल नीचे पटरी किनारे खड़े बदमाशों ने झपट्टा मारकर लूट लिए। जीआरपी थाना भोपाल ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की खोजबीन शुरू कर दी है।

फाइल फोटो

जीआरपी के मुताबिक विजय नगर नागपुर निवासी मनिराज कुर्रे (20) विगत चार अप्रैल को नागपुर से निजामउद्दीन की यात्रा अपने दोस्त आलोक के साथ दक्षिण एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान भोपाल स्टेशन आने के पांच मिनट पहले वह गेट के पायदान पर मोबाइल लेकर बैठ गया। आउटर पर ओवरब्रिज के नीचे ट्रेन धीमी गति से चल रही थी। तभी अचानक नीचे खड़े बदमाश ने झपट्टा मारकर मनिराज के हाथ से मोबाइल छीन लिया और भाग निकला। पुलिस ने बताया कि फरियादी ने बीना आने पर जीआरपी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बीना में शून्य पर प्रकरण दर्ज कर डायरी जीआरपी थाना भोपाल भेजी गई है। जीआरपी भोपाल ने असल पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

मोबाइल छीनकर गिट्टी फेंकने लगा बदमाश

रेलवे पुलिस के मुताबिक शुजालपुर मंडी जिला शाजापुर निवासी श्याम सोनी (36) विगत सात अप्रैल को ट्रेन नंबर 11466 वेरावल एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार होकर भोपाल से शुजालपुर की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान वह ट्रेन के गेट के पायदान पर बैठे थे। भोपाल स्टेशन निकलने के पांच मिनट बाद आउटर पर ट्रेन धीमी गति से चल रही थी। उसी दौरान नीचे पटरी के पास खड़े एक लड? ने झपट्टा मारकर उसका मोबाइल छीन लिया। मोबाइल झपटने के बाद आरोपी नीचे पड़ी गिट्टी फेंकने लगा, जिससे श्याम सोनी नीचे नहीं उतर सका। संत हिरदाराम स्टेशन पर उतरकर फरियादी ने झपटमारी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

फरियादी ने रोक दी चेन खींचकर ट्रेन

जीआरपी भोपाल के मुताबिक गंजबासौदा निवासी अनमोल पटेरिया विगत सात अप्रैल को पठानकोट एक्सप्रेस के जनरल कोच में भोपाल से गंजबासौदा की यात्रा कर रहे थे। कोच में भीड़ अधिक होने की वजह से वह गेट पर खड़े हो गए। भोपाल स्टेशन निकलने के करीब पांच मिनट बाद भानपुर ओवरब्रिज के नीचे खड़े अज्ञात लड? ने झपट्टा मारकर अनमोल के हाथ से नीचे गिरा लिया और फिर मोबाइल उठाकर भाग निकला। ट्रेन की गति अपेक्षाकृत अधिक होने की वजह से फरियादी नीचे नहीं उतर सका। उसने ट्रेन की चेन खींच दी। ट्रेन रुकने के बाद वह नीचे उतरा और आसपास खोजबीन की लेकिन मोबाइल नहीं मिला।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022